हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्ष:- 02, अंक:-193, पृष्ठ:-08, मूल्य:- 2 रु.
लखनऊ, शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024

नेपाल और भारत का सम्बन्ध जीवन और मरण का संबंध...02

पूर्व प्रधान के निधन पर किसान संघर्ष मंच की ओर से ...06

सोने-चांदी के दाम में तेजी

शेयर बाजार में आज फ्लैट कारोबार

यूनिमेक एयरोस्पेस के आईपीओ का आखिरी दिन

संक्षिप्त समाचार

भारत में 1100 करोड़ कमाने वाली बनी पहली फिल्म पुष्पा 2 द रूल

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2- द रूल' भारत में 1100 करोड़ की कमाई करने वाली पहली फिल्म बन गयी है। सुकुमार के निर्देशन में बनी पुष्पा 2 - द रूल 05 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुयी थी।फिल्म पुष्पा 2 - द रूल की रिलीज को 21 दिन हो गये हैं, इसके बाद भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है।पुष्पा 2 द रूल ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार 'पुष्पा 2 - द रूल ' भारत की पहली फिल्म बन गई है, जिसने 1100 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है। फिल्म ने 21 दिनों में 1109.85 करोड़ का कारोबार कर लिया है। पुष्पा- द राइज के सीक्वल पुष्पा 2- द रूल का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स ने किया है।

जालंधर में मुठभेड़ के बाद जग्गू भगवानपुरिया गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

जालंधर, एजेंसी। पंजाब में जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने जग्गू भगवानपुरिया गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद किये हैं। पुलिस आयुक्त स्वप्न शर्मा ने गुरुवार को बताया कि मुठभेड़ दौरान भगवानपुरिया गैंग से जुड़ा एक खूंखार गैंगस्टर घायल हो गया। वह पुलिस हिरासत से भारी मात्रा में हथियार लेकर भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस आयुक्त ने जानकारी देते हुये बताया कि विवेक मट्टू उर्फ ??बादल निवासी पट्टी बैरी जंडियाला, जालंधर पर दो गैंगस्टरों ने हमला किया, जिनकी पहचान मंजीत सिंह और अमनदीप सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि कुख्यात जग्गू भगवानपुरिया गैंग से जुड़े दोनों गैंगस्टरों ने विवेक पर गोलियां चलाईं, जिसके बाद वह घायल हो गया। दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

वीर बाल दिवस: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले,

सिख गुरुओं की प्रेरणा से बढ़ेंगे तो काबुल-बांग्लादेश होने से बच पाएंगे

कोई महसूस नहीं कर सकता इनका दद...

'सीएम ने कहा कि 2019 में गुरुनानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री आवास पर शबद-कीर्तन कार्यक्रम हुआ था। उसके उपरांत 2020 से अनवरत वीर बाल दिवस का आयोजन मुख्यमंत्री आवास पर हो रहा है। अब यह पूरे देश का आयोजन हो गया है। आज की तिथि पर गुरु गोबिंद सिंह के दो साहिबजादे (बाबा जोरावर सिंह-फतेह सिंह) वजीर खां के हाथों दीवार में चुने गए थे। चमकौर के युद्ध में दो बड़े साहिबजादे (बाबा अजीत सिंह-जुझार सिंह) शहादत को प्राप्त हुए। मां गुजरी इसे बहुत अधिक समय तक बर्दाश्त नहीं कर पाईं। इन लोगों पर उस समय क्या बीता होगा, यह दर्द कोई महसूस नहीं कर सकता, फिर भी एक ही लक्ष्य था कि देश व धर्म पर आंच नहीं आने देंगे।

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। धर्म की रक्षा के लिए साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह के सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) के अवसर पर हुए कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने शिरकत की। ऐतिहासिक समागम एवं श्री सहज पाठ सेवा (श्री अमृतसर) द्वारा 11,000 सहज-पाठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर सीएम योगी ने लोगों को संबोधित भी किया। सीएम ने कहा कि सिख परंपरा काफी समृद्ध है। इन्होंने विपरीत परिस्थितियों में लड़ते हुए न केवल अपनी परंपरा को सुरक्षित-संरक्षित रखा, बल्कि देश व धर्म के लिए भी बलिदान देकर नई प्रेरणा प्रदान की। एक तरफ इनका गौरवशाली इतिहास है तो दूसरी तरफ सुनते हैं कि काबुल में सिखों के दो, चार-दस परिवार ही बचे हैं।

गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा का भाव बनता है समृद्धि व खुशहाली का कारण

सीएम ने कहा कि गुरु नानक देव से लेकर गुरु गोविंद सिंह महाराज, चार साहिबजादों से लेकर पंच प्यारों तक, सिख गुरुओं का इतिहास देश व धर्म के लिए शहादत का इतिहास है। यह केवल कौम का नहीं, देश का इतिहास है। यह भारतवासियों के लिए प्रेरणा है। जाति-पाति का भेदभाव समाप्त हो, इसके लिए गुरुनानक ने शबद-कीर्तन की प्रेरणा दी। मिल-बांटकर खाने के लिए जिस लंगर की शुरुआत की, उसका अनुसरण आज भी हर गुरुद्वारा कर रहा है।

सिख पंथ की शुरुआत ही देश व धर्म के लिए हुई थी

सीएम ने कहा कि सिख पंथ की शुरुआत ही देश व धर्म के लिए हुए थी। गुरु नानक देव ने सबसे पहले बाबर के अत्याचार का विरोध किया था। गुरु अर्जुन देव का बलिदान जहांगीर के अत्याचार से बचाने के लिए था। गुरु तेग बहादुर ने अपना शीश दे दिया, लेकिन भारत का शीश नहीं झुकने दिया, इसलिए आज कश्मीर भारत का हिस्सा और शीश बना हुआ है। गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज ने अपनी आंखों के सामने अपने पुत्रों और पिता को बलिदान होते देखा।

हर भारतवासी के लिए देश व राष्ट्र सर्वोपरि

सीएम ने कहा कि पीएम मोदी ने 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में आयोजित करने की घोषणा के समय कहा था कि राष्ट्रधर्म हर भारतवासी का धर्म है। भारतवासियों के लिए देश व राष्ट्र सर्वोपरि है। महाराजा रणजीत सिंह ने जितना सोना स्वर्ण मंदिर में दिया, उतना ही बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर को दिया। इसका शिखर व दरवाजे स्वर्णमंडित हुए। सिख योद्धाओं व क्रांतिकारियों ने देश के लिए बलिदान दिया। सीएम ने अपील की कि कोई भी ऐसा कार्य न होने दें, जो गुरु परंपरा की भावनाओं के विपरीत हो। उन्होंने विश्वास दिलाया कि गुरु परंपरा के गौरवशाली इतिहास के सम्मान की रक्षा के लिए डबल इंजन सरकार सदा खड़ी रहेगी।

सीएम ने कहा कि जब बांग्लादेश की घटना व पाकिस्तान के अंदर अत्याचार के बारे में सुनते हैं, तब सिख गुरुओं के त्याग-बलिदान का स्मरण होता है। सिख गुरुओं के आदर्श हमें आगे बढ़ने की ऊर्जा देंगे। उनका आशीर्वाद हमारी प्रेरणा है। उस प्रेरणा से आगे बढ़ेंगे, तब काबुल-बांग्लादेश होने से बच पाएंगे, तब किसी ननकाना साहिब के लिए आंदोलन-संघर्ष की जरूरत नहीं पड़ेगी।

एलपीजी टैंकर ब्लास्ट: 7वें दिन भी मौतों का सिलसिला जारी

जयपुर, एजेंसी। जयपुर एलपीजी टैंकर ब्लास्ट में गंभीर रूप से झुलसे 1 और व्यक्ति ने गुरुवार सुबह 9:20 बजे सवाई मान सिंह (एसएमएस) हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। इसी के साथ इस हादसे में मरने वालों की संख्या 19 हो गई है। इसमें एक पूर्व आईएएस भी शामिल हैं। जयपुर-अजमेर हाईवे पर 20 दिसंबर की सुबह दिल दहलाने वाली घटना हुई थी। उधर, इस मामले का संज्ञान हाईकोर्ट ने लिया तो पुलिस भी एक्टिव हुई है। पुलिस ने भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को पत्र लिखकर 6 बिंदुओं पर जानकारी मांगी है। इसमें टैंकर, उसके मालिक, हाईवे के कट आदि को लेकर सवाल किए गए हैं। एसएमएस हॉस्पिटल के डॉक्टर राकेश जैन से बताया - 28 साल के लालाराम 60 फीसदी झुलस गए थे। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। उनकी आज सुबह मौत हो गई। अभी भी एसएमएस हॉस्पिटल के बर्न वॉर्ड में गंभीर रूप से झुलसे 20 मरीजों का इलाज चल रहा है।

अजय माकन पर 24 घंटे में कार्रवाई करे कांग्रेस: आतिशी

वरना इंडिया गठबंधन से बाहर करने की मांग करेंगे, ये केजरीवाल को एंटी-नेशनल कहते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच बयानों को लेकर टकराव शुरू हो गया है। दिल्ली की सीएम आतिशी और सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को कहा, कांग्रेस नेता अजय माकन हमारे नेता अरविंद केजरीवाल को एंटी-नेशनल कहते हैं। क्या उन्होंने भाजपा के किसी नेता के खिलाफ ऐसा आरोप लगाया। आतिशी ने कहा, %हम कांग्रेस पार्टी से मांग करते हैं कि वह माकन के खिलाफ 24 घंटे के अंदर कार्रवाई करें। वर्ना हम इंडिया ब्लॉक से कांग्रेस पार्टी को अलग करने के लिए अन्य विपक्षी दलों से बात करेंगे। संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के अंदर कांग्रेस पार्टी भाजपा के पक्ष में खड़ी हो गई है। कांग्रेस हर वो काम कर रही है, जिससे भाजपा को चुनाव में फायदा हो। दिल्ली के अंदर कांग्रेस के नेता हैं अजय माकन। वो भाजपा की स्क्रिप्ट पढ़ते हैं। वो भाजपा के कहने पर आम आदमी पार्टी के नेताओं को टारगेट करते हैं। कांग्रेस नेता अजय माकन ने 25 दिसंबर को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को देश का फ्रॉड किंग यानी सबसे बड़ा धोखेबाज बताया। माकन ने कहा कि अगर केजरीवाल को एक शब्द में परिभाषित करना हो, तो वो शब्द 'फर्जीवाल' होगा। माकन ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए आप के साथ गठबंधन में आना कांग्रेस की भूल थी, जिसे अब सुधारा जाना चाहिए। केजरीवाल जैसे व्यक्ति पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उनकी कोई विचारधारा और कोई सोच नहीं है। वे अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। केजरीवाल समान नागरिक संहिता, अनुच्छेद 370 और नागरिकता कानून पर भाजपा के साथ खड़े रहे।

बिहार सरकार निरंकुश हो चुकी है: पप्पू

पटना, एजेंसी। बिहार में पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने आरोप लगाया है कि प्रदेश की सरकार निरंकुश हो गयी है। श्री यादव बुधवार की देर रात गर्दनीबाग धरना स्थल पहुंचे और उन्होंने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षार्थियों से बातचीत की। उन्होंने धरना स्थल पर लाठीचार्ज से घायल छात्रों से बातचीत कर घटना की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार निरंकुश हो चुकी हैं। छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना निंदनीय हैं। निहत्थे छात्रों पर लाठी चलाने की घटना की जितनी भी निंदा की जाए वह कम होगा। सांसद ने कहा कि सरकार चाहे जितना भी जुल्म छात्रों पर कर ले उसे बीपीएससी की फिर से परीक्षा लेनी होगी। मैं छात्रों के साथ हर कदम पर खड़ा हूँ। छात्रों की लड़ाई मैं सड़क से लेकर सदन तक लड़ूँगा। उन्होंने छात्रों से आह्वान करते हुए कहा की आप अपनी आंदोलन की ताक़त को बढ़ाइए।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का निधन

● 92 साल की उम्र में दिल्ली के एम्स में ली अंतिम सांस

नयी दिल्ली। भारत के एकमात्र सिख प्रधान मंत्री ने 1991 में वित्त मंत्री के रूप में शपथ लेने के चार महीने बाद राज्यसभा में प्रवेश किया। जून 1991 में पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री रहे। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन हो गया।

उन्हें गुरुवार रात करीब आठ बजे दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया था। वह 92 वर्ष के थे। भारत के एकमात्र सिख प्रधान मंत्री ने 1991 में वित्त मंत्री के रूप में शपथ लेने के चार महीने बाद राज्यसभा में प्रवेश किया। जून 1991 में पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री रहे। उन्होंने उच्च सदन में पांच बार असम का प्रतिनिधित्व किया और 2019 में राजस्थान चले गए। संसद में उनका आखिरी हस्तक्षेप नोटबंदी के खिलाफ था, उन्होंने इसे संगठित लूट और वैध लूट बताया।शर्मिष्ठा के मुताबिक, प्रणब मुखर्जी राष्ट्रपति रहते हुए मनमोहन सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करना चाहते थे। शर्मिष्ठा ने किताब में लिखा है कि 30 अक्तूबर 2013 को उनके पिता ने इससे जुड़ी बातें अपनी डायरी में लिखीं।

बिहार में भजन पर छिड़ा विवाद, 'ईश्वर-अल्लाह तेरो नाम' गाने पर गायिका को मांगनी पड़ी माफी

बीजेपी पर भड़के लालू

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में उस समय बवाल हो गया जब लोक गायिका ने प्रतिष्ठित भजन रघुपति राघव राजा राम की प्रस्तुति दी और फ्रईश्वर अल्लाह तेरो नामफ्र की पंक्तियाँ गाईं। जैसे ही लोक गायिका देवी ने पंक्तियां गाईं, दर्शकों के एक वर्ग ने विरोध किया और नारेबाजी शुरू कर दी। मामला बढ़ने पर गायिका देवी ने मंच से माफी मांगी। उन्हें माफी मांगने को भी कहा गया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे स्थिति को संभालने के लिए आगे आए। वह लोक गायिक को मंच से उतारते भी दिखे। माफीनामे के बाद कार्यक्रम स्थल पर जय श्री राम के नारे गूंज उठे। अश्विनी चौबे ने भी जय श्री राम की हुंकार भरी। महात्मा गांधी से निकटता से जुड़ा यह भजन एकता का संदेश देता है। मैं अटल रहूंगा शीर्षक वाला कार्यक्रम, उनकी जयंती के अवसर पर भाजपा के दिग्गज नेता के योगदान को याद करने के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में चौबे के अलावा डॉ. सीपी ठाकुर, संजय पासवान और शाहनवाज हुसैन भी मौजूद थे। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए एक्स पर लिखा कि पटना में कल गायिका ने जब गांधी जी का भजन रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम गाया तो नीतीश कुमार के साथी भाजपाइयों ने हंगामा खड़ा कर दिया।

बीजेपी बोली,कांग्रेस के पोस्टर में भारत का गलत नक्शा

इसमें पीओके गायब, पोस्टर बेलगावी में लगा, आज यहां सीडब्यूसी की मीटिंग

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के बेलगावी में गुरुवार को कांग्रेस की वर्किंग कमेटी की बैठक होनी है। मीटिंग से पहले कार्यकर्ताओं ने बेलगावी में पोस्टर लगाए, जिसमें भारत का गलत नक्शा दिखाया जा रहा है। बीजेपी के आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गलत नक्शे की तस्वीर पोस्ट की और लिखा कि कांग्रेस ने अपने सभी होर्डिंग्स पर भारत का बिगड़ा हुआ नक्शा लगाया है, साथ ही सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा सहित अन्य की तस्वीरें भी लगाई हैं, जिसमें कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, आज एक तस्वीर सामने आई है जो दिल को दुखाती है। भाजपा कर्नाटक ने एक ट्वीट किया है जिसमें देखा जा सकता है कि बेलगावी में कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने भारत का जो मैप लगाया है, उसमें पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर और अक्साई चिन नहीं है। वे पहले भी ऐसी हरकतें कर चुके हैं। अब यह साफ हो गया है कि जो ताकतें भारत को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं, उनके साथ कांग्रेस का संबंध अब स्पष्ट हो गया है। भाजपा चुनाव आयोग जैसी सभी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करना चाहती है, लेकिन हम यह लड़ाई लड़ते रहेंगे। चुनावी प्रक्रिया में लोगों का विश्वास धीरे-धीरे कम हो रहा है और चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। यह सरकार चुनाव नियमों में बदलाव करके क्या छिपाने की कोशिश कर रही है, जिसे साझा करने का आदेश अदालत ने दिया है। खड़गे ने कहा- 2025 संगठन को मजबूत करने का वर्ष होगा, पार्टी में रिक्त पदों को भरा जाएगा। उदयपुर घोषणा को पूरी तरह लागू किया जाएगा। चुनाव जीतने के लिए आवश्यक कौशल से पार्टी को लैस करेंगे, वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध लोगों को खोजेंगे जो संविधान और भारत के विचार की रक्षा करेंगे।

लोकसभा चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही: निर्वाचन आयोग

नयी दिल्ली, एजेंसी। निर्वाचन आयोग द्वारा बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष की शुरुआत में हुए लोकसभा चुनाव में 64.64 करोड़ मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया और इन मतदाताओं में महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही। निर्वाचन आयोग ने कहा कि महिला मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 65.78 रहा जबकि पुरुष मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 65.55 था। आयोग ने कहा कि इस बार चुनाव लड़ने वाली महिला उम्मीदवारों की संख्या 800 रही जबकि 2019 के चुनावों में यह संख्या 726 थी। निर्वाचन आयोग ने कहा, "स्वत: संज्ञान लेकर की गई इस पहल का मकसद जनता का विश्वास बढ़ाना है, जो भारत की चुनावी प्रणाली का आधार है।" ये आंकड़े इन आरोपों की पृष्ठभूमि में जारी किए गए हैं कि लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान के आंकड़ों में हेराफेरी की गई थी। ये आंकड़े चार विधानसभा चुनावों - अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम से भी संबंधित हैं। निर्वाचन आयोग ने बताया कि 2019 में 540 की तुलना में कुल 10.52 लाख मतदान केंद्रों में से 40 मतदान केंद्रों या 0.0038 प्रतिशत केंद्रों पर पुनर्मतदान किया गया।

5 राज्यों से होकर नार्थ-ईस्ट पहुंचाए जा रहे पाकिस्तानी हथियार

डार्कनेट पर डील, बिटकॉइन से पेमेंट, सप्लाई को लेकर जांच एजेंसियां अलर्ट

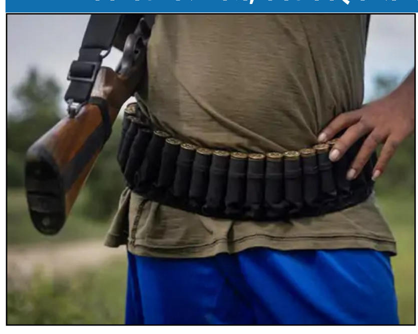

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अशांति का माहौल पैदा करने के लिए अब भारत के उत्तर-पूर्व राज्यों में साम्प्रदायिक माहौल को हवा देने में लगी है। इसके लिए पाकिस्तान से तस्करी के जरिए अत्याधुनिक हथियारों की बड़ी खेप जम्मू-कश्मीर व पंजाब के जरिये उत्तर-पूर्वी राज्यों में पहुंचाई जा रही है। इसके लिए बिहार राज्य का इस्तेमाल एक ट्रांजिट रूट व तस्करों के लिए हथियारों का भंडारण करने के लिए किया जा रहा है। इस संबंध में हाल ही में खुफिया जांच एजेंसियों को कुछ इनपुट मिले हैं। सूत्रों के अनुसार खुफिया जांच एजेंसियों को जानकारी मिली है कि पाकिस्तान के कुछ बड़े हथियार तस्कर जम्मू-कश्मीर और पंजाब में तस्करी के माध्यम से भारी मात्रा में हथियार पहुंचा रहे हैं। इन हथियारों को यहां से हरियाणा, फिर यूपी होते हुए बिहार में गुप्त ठिकानों पर ले जाया जाता है। डिमांड के अनुसार इन हथियारों की सप्लाई नगालैंड, मणिपुर व उत्तर पूर्व के अन्य राज्यों में की जा रही है। सूत्र बताते हैं कि एनआईए ने 5 राज्यों में मौजूद संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर हथियार व नकदी भी बरामद की थी। खुफिया जांच एजेंसियों ने पाकिस्तान के कुछ हथियार तस्करों व भारत के कुछ हथियार तस्करों के बीच डार्क-वेब पर हुई एक बातचीत को इंटरसेप्ट किया था। जिससे पता चला है।

एमपी-यूपी राजस्थान में ओला-बारिश की चेतावनी

गुलमर्ग से भी ठंडा रहा श्रीनगर, पारा माइनस 6 डिग्री दिल्ली में कोहरे के चलते 18 ट्रेनें लेट

हिमाचल में बर्फबारी, 134 सड़कें अब भी बंद

तीन राष्ट्रीय राजमार्गों अटारी और लेह, कुल्लू में सैंज से औट, किन्नौर में खाब संगम और लाहौल-स्पीति में ग्रामफू समेत कुल 134 सड़कें बंद कर दी गई हैं। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के मुताबिक शिमला में सबसे ज्यादा 77 सड़कें बंद हैं, जबकि कुल्लू में 25, लाहौल-स्पीति में 36 और मंडी में 14 सड़कें बंद हैं।

दिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत में शीतलहर जारी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में पारा 10 डिग्री से कम रहा। आईएमडी ने मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हिमाचल के कुछ हिस्सों में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। बंगाल की खाड़ी से आने वाली हवाओं के कारण मध्य भारत और दिल्ली-एनसीआर में बारिश होगी। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के चलते श्रीनगर में पारा माइनस 6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। श्रीनगर, गुलमर्ग से भी ठंडा रहा। यहां पारा शून्य से 6.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। हालांकि, श्रीनगर में इस सीजन में अब तक बर्फबारी नहीं हुई है। हिमाचल में बर्फबारी के बाद तीन नेशनल हाईवे समेत करीब 134 सड़कें बंद कर दी गई हैं। कोकसर में सबसे ज्यादा 5.6 सेमी बर्फबारी हुई। लाहौल-स्पीति जिले का ताबो सबसे ठंडा रहा। यहां रात का तापमान माइनस 10.6 डिग्री से नीचे रहा। दिल्ली में कोहरे के चलते 18 ट्रेनें लेट हो गई हैं। लाहौल-स्पीति में बर्फबारी का आनंद लेने आए करीब 100 टूरिस्ट की गाड़ियां फंस गई थीं। सेक्टर 2 में तैनात जिला पुलिस की टीम ने लगभग 20 गाड़ियों का रेस्क्यू किया और टूरिस्ट को स्नोकवर एरिया से बाहर निकाला। बुधवार को माउंट आबू 3.8 डिग्री तापमान के साथ सबसे ठंडा रहा। अगले 24 घंटे में नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सिस्टम एक्टिव होने के आसार हैं।

नेपाल और भारत का सम्बन्ध जीवन और मरण का संबंध– अब्दुल खान

⇨ काठमांडू में मनाया गया अटल समरसता रत्न अलंकरण जयन्ती समारोह

तीसरा विकल्प न्यूज़ – ब्यूरो

काठमांडू। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुन्यतिथि के अवसर पर नेपाल की राजधानी काठमांडू में अन्तर्राष्ट्रिय समरसता मंच द्वारा 'वैश्विक शान्ति समरसता सम्मेलन एवं 192 राष्ट्रों का नागरिक अभिनन्दन समारोह पर अटल समरसता रत्न अलंकरण जयन्ती समारोह' कार्यक्रम कर आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए नेपाल के प्रथम उप राष्ट्रपति परमानन्द झा तथा नेपाल संसद के सांसद एवं नेपाल के पूर्व केन्द्रीय मंत्री अब्दुल खांन विशेष तौर पर उपस्थित रहे। नेपाल के पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा नेपाल संसद के सांसद तथा जनमत पार्टी के राष्ट्रिय उपाध्यक्ष अब्दुल खान ने अपने संबोधन में कहा की नेपाल और भारत का आपसी रिश्ता केवल रोटी और बेटी का नहीं बल्कि दोनों देशों का रिश्ता जीवन और मरण का रिष्ता है। उन्होंने आगे बोलते हुए कहा कि जिस प्रकार से जानकी का जन्म नेपाल में हुआ तथा मां सीता का जन्म भारत में हुआ, सिद्धार्थ का जन्म नेपाल में लेकिन भगवान गौतम बुद्ध भारत में स्थापित हुए। उसी प्रकार से देव काल, आदिम काल से लेकर आजतक यह सम्बन्ध कायम है जिसे तोड़ना या ख़त्म करना नमुमकिन है। पशुपतिनाथ, मुक्तिनाथ, जनकपुरधाम, लुम्बिनी का धार्मिक सर्किट बने वर्तमान की नेपाल हुकुमत से मांग करते हुए पूर्व मंत्री अब्दुल ख़ान ने कहा कि पशुपतिनाथ, मुक्तिनाथ, जनकपुरधाम, लुम्बिनी का धार्मिक सर्किट बनाया जाए ताकि दुनिया भर से आने वाले तीर्थ यत्रियों को नेपाल भारत कि धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विषयों की जानकारी हो सके। भारत सहित दुनिया भर से आने वाले श्रद्धालुवों का नेपाल में मान सम्मान हो सके यह व्यवस्था नेपाल सरकार को लागु करनी चाहिए। इसमें भारत सरकार का भी अहम भूमिका होनी चाहिए। जम्बुदिप पदम श्री अलंकरण द्वारा– नेपाल के पूर्व मन्त्री अब्दुल खानं सम्मानित अन्तर्राष्ट्रिय समरसता मंच द्वारा आयोजित 'वैश्विक शान्ति समरसता सम्मेलन एवं 192 राष्ट्रों का नागरिक अभिनन्दन समारोह, आर्यवर्त रत्न अलंकरण – जम्बुदिप पदम श्री अलंकरण– इण्डो – नेपाल समरसता रत्न अलंकरण समारोह' कार्यक्रम में नेपाल के प्रथम उप राष्ट्रपति सम्माननीय परमानन्द झा, जनमत पार्टी के राष्ट्रिय अध्यक्ष डा. सीके राउत की उपस्थिति में नेपाल के पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा नेपाल संसद के सांसद अब्दुल खान कों अन्तर्राष्ट्रिय समरसता मंत्र द्वारा सम्मानित किया गया।

वीर बाल दिवस पर खालसा इंटर कॉलेज के छात्रों ने प्रोजेक्टर पर देखा पीएम का उद्बोधन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। खालसा इंटर कॉलेज में वीर बाल दिवस के अवसर पर छात्रों को माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के उद्बोधन का लाइव प्रसारण प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाकर साहिबजादों की धर्म एवं राष्ट्र हित में दी गई शहादत का स्मरण कराया 7 माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि बाबा जौरावर सिंह एवं फतेह सिंह की उम्र बहुत कम थी लेकिन उनका हौसला आसमान से भी ऊँचा था 7 उन्होने हर प्रलोभन को ठुकरा दिया 7 अपनी अद्वितीय बहादुरी का परिचय देते हुए अपने को बलिदान कर दिया 7आज का दिन राष्ट्र प्रेरणा का दिन है 7 उन्होने कहा कि आज का दिन हमें यह प्रेरणा देता है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी प्रतिकूल ही क्यों न हों, राष्ट्र हित से बढ़कर कुछ नही है 7 राष्ट्र हित में किया गया प्रत्येक कार्य वीरता का कार्य है 7 कॉलेज के प्रधानाचार्य स. वीरेंद्र सिंह ने सभागार में उपस्थित छात्रों से सरवंश दानी साहिब श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चारों साहिबजादों के पराक्रम की गौरवगाथा से प्रेरणा लेने का आह्वान किया 7 इससे पूर्व छात्रों ने बड़ी उत्सुकता के साथ कार्यक्रम को देखा 7

उर्दू अकादमी द्वारा भारत रत्न अटल उर्दू सम्मान सम्मान समारोह

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के प्रेक्षागृह में आयोजित 'सेमिनार और अटल उर्दू सम्मान कार्यक्रम' के अंतर्गत चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों को 'भारत रत्न अटल उर्दू सम्मान' से सम्मानित किया गया। ये विभूतियां हैं- अतहर नबी ,डॉ. अनिल रस्तोगी, जयन्त कृष्णा,नवाब मसूद अब्दुल्लाह फ्रमारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व और कृतित्वफ़ विषय पर डॉ. नुज़्हत फ़ातमा, सीमा सिद्दीकी, डॉ. मसीउद्दीन ख़ान, राशिद ख़ां, और अतिया बी ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। अतहर नबी ने अटल जी के सरल और गर्मजोशी से भरे स्वभाव के बारे में साझा किया। तो वहीं नवाब मसूद अब्दुल्लाह ने प्रधानमंत्री के रूप में ईद मिलन के आयोजन और उनकी अपनत्व भरी भावनाओं को याद किया। कार्यक्रम में करामत, शिया, यूनिटी, कैरियर, खुनखुन और मुमताज़गंज कॉलेज के 30 छात्रों को उर्दू विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'अटल उर्दू सम्मान' से नवाज़ा गया। साथ ही अटल जी के चित्रों की एक दिवसीय प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम का संचालन ख़लील ख़ान ने किया और संयोजक एस.एन. लाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

वीर बाल दिवस पर सीएम आवास पर आयोजित समागम में जनपद बिजनौर से शामिल हुए नूरपुर चेयरमैन एवं पंजाबी समाज के जिलाध्यक्ष सहित अन्य प्रतिनिधि

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। वीर बाल दिवस के पावन अवसर पर लखनऊ स्थित सीएम के सरकारी आवास पर आयोजित ऐतिहासिक समागम में नूरपुर नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. एम.पी. सिंह,पंजाबी समाज के जिलाध्यक्ष स. सतवंत सिंह सलूजा, भाजपा की क्षेत्रीय मंत्री श्रीमती हरविन्दर कौर, नूरपुर से भाजपा के वरिष्ठ नेता स. हरभजन सिंह अमन,गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा नूरपुर के सलाहकार स. रविंदर सिंह मिक्की एवं गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा राजा का ताजपुर से स. सतवेन्द्र सिंह गुजराल ने जनपद बिजनौर का प्रतिनिधित्व किया 7 पंजाबी समाज के जिलाध्यक्ष स. सतवंत सिंह सलूजा ने समागम में शामिल होने के उपरांत बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं सीएम योगी आदित्यनाथ जी द्वारा सिख गुरुओं को पूर्ण श्रद्धा के साथ दिए जाने वाला सम्मान अविस्मरणीय है 7

बंद आवास का ताला तोड़कर चोरों ने 12 लाख के जेवरात चोरी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। बुधवार को गौतम ओझा सपरिवार अपने पैतृक आवास ओझाडीह गए हुए थे। इस दौरान ठाकुरकुल्ही, बैंक कालोनी स्थित संजय कुमार सिन्हा के घर के निचले आवास पर किराये पर रह रहे है। बुधवार को घर तथा मुख्य दरवाजे पर ताला बंद कर ओझा अपने गांव गए थे कि आधी रात को चोरों ने घर के दरवाजे पर लगे ताले को तोड़कर घर पर प्रवेश किया। साथ ही घर की अलमारी की लाकर तोड़कर हीरे की अंगुठी एक पीस, सोने की अंगुठी पीस, गले का हार सोने का, दो जोड़ी सोने का कंगन, एक सोने का चेन, दो जोड़ी सोने का झुमका, एक सोने का लाकेट बड़ा,दो सोने का लाकेट बच्चों का, सोने का मनटिका, सोने का नथिया, सोने का नोज पिन दो पीस, दो जोड़ी चांदी का पायल, पांच चांदी का सिक्का, एक लेडिज पर्स चोर अपने साथ ले गए। मामले की जानकारी धनबाद थाने की पुलिस को दी गई है। मामले की जांच को पहुंची पुलिस को लोगों ने बताया कि दो दिन पहले इस इलाके से एक सिपाही के बंद घर से लाखों की चोरी हुई थी जबकि कुछ दिन पहले मुन्ना नामक युवक के बंद घर से चोरी हुई थी। बावजूद पुलिस की गश्ती इलाके में नहीं हो रही है।

तिनसुकिया जिले में सुशासन सप् ताह का सफल समापन। कार्यशाला का आयोजन, अमरपुर में पहली बार भूमि अधिभोग प्रमाण पत्र का वितरण

तीसरा विकल्प न्यूज़ - पंकज नाथ

असम। असम भर में चल रहा सुशासन सप्ताह तिनसुकिया जिले में भी सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 19 दिसंबर से 25 दिसंबर तक आयोजित इस सुशासन सप्ताह के कल के दिन तिनसुकिया जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में सुशासन पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में बताते हुए जिला विकास आयुक्त पवित्र कुमार दास ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रशासन को लोगों के करीब लाने के लिए यह कार्यक्रम शुरू किया है। इस बार के कार्यक्रम का विषय %प्रशासन को गांव तक ले जाना% था। उन्होंने कहा कि इस दौरान जिले के सभी राजस्व परिमंडलों और खंड विकास अधिकारी कार्यालयों ने लोगों की कमी की शिकायतों की विशेष सुनवाई की और विभिन्न विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में जहां तक संभव हो उन्हें हल करने का प्रयास किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए, असम प्रशासनिक सेवा के एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी योगेश बरुआ ने सभी से समर्पण की भावना के साथ काम करने का आग्रह किया। बरुआ ने सुशासन के महत्व के बारे में बताया और उपस्थित अधिकारियों का आह्वान किया कि वे सुशासन के तरीकों का उचित उपयोग करके या लोगों के कल्याण के लिए प्रशासन में लोगों की विश्वसनीयता बढ़ाएं। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त मंदिरा बरुआ के अलावा विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख शामिल हुए। इस बीच, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा ने बताया कि सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम के छठे दिन मंगलवार को जिले के संभागीय अधिकारियों के पास विशेष रूप से चार राजस्व मंडल तिनसुकिया, मारघेरिटा, दुमदुमा और सदिया राजस्व मंडल ओर सात विकास खंड, क्रमशः माकुम, इटाखुली, सदिया, सैखोवा, दुमदुमा, डिगबई और मार्गेरिटा के तहत विभिन्न क्षेत्रों में विशेष शिविरों का आयोजन कर लोगों की याचनाओं, कमियों और शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था की जाती है। चल रहे प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम के हिस्से के रूप में सदिया राजस्व सर्किल के कर्मचारियों ने मंगलवार को दूरवर्ती इलाके सदिया के अमरपुर में दिबांग नदी पार की और पीएम किसान योजना का लाभ उठाने के लिए क्षेत्र के किसानों को जमीन दखल का प्रमाण पत्र वितरित किया। उल्लेखनीय है कि अमरपुर एक गैर-सर्वेक्षण गांव है, इसलिए किसान पट्टे न मिलने के कारण पीएम किसान योजना के लिए आवेदन नहीं कर सके थे। हाल ही में तिनसुकिया के जिला आयुक्त स्वप्निल पाल अमरपुर के विशेष दौरे पर गए थे और उन्होंने क्षेत्र के लोगों को जमीन दखल का प्रमाण पत्र देने का वादा किया था। इसलिए जिला आयुक्त ने विशेष कदम उठाते हुए अमरपुर क्षेत्र के लोगों के लिए लगभग 732 भूमि कब्जाने के प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के आदेश जारी किए थे और इसी के चलते कल अमरपुर के लोगों के बीच लगभग 65 प्रमाण पत्र वितरित करके लंबे समय से चली आ रही समस्या को हल करने की प्रक्रिया शुरू की। जिला प्रशासन के इस कदम की स्थानीय लोगों ने काफी सराहना की है।

अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध नगर निगम का चला बुलडोजर

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब एव नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के निर्देशानुसार नगर निगम 8 जोन के अधिकारी लगातार सरकारी भूमि पर अवेध कब्जा को लेकर जेसीबी द्वारा अतिक्रमण अभियान चलाया जा रहा है जो अभियान को लेकर अपर नगर आयुक्त श्रीवास्तव सम्पति अधिकारी संजय यादव तहसीलदार नगर निगम अरविंद पाण्डेय एव नायब तहसीलदार नगर निगम नीरज कटियार एव राजस्व निरीक्षक अभिनाश तिवारी व थाना सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस बल के साथ ग्राम सुनाई कजेहरा तहसील मोहनलालगंज का खसरा संख्या 905,992 1000,1008,1019,1015,1012 /1099,1003 ,911 कुल क्षेत्रफल 3,847 हे, सरकारी भूमि को शांतिपूर्ण ढंग से खाली कराई नायब तहसीलदार नीरज कटियार ने बताया कि बिल्डरों जमीन को खाली करने को लेकर काफी नोक झोंक हुई फिर भी शांतिपूर्वक ढंग से बिल्डर द्वारा जमीन को खाली कराई गई

केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान शास्त्री भवन में ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग द्वारा गुरुवार को सरोजनीनगर के प्रांतीय रक्षक दल केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, शास्त्री भवन में ब्लॉक स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन और कुश्ती आदि प्रतियोगिताएं सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग के तहत पुरुष व बालिका वर्ग में आयोजित हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन एडीओ (कृषि) रामगोपाल द्विवेदी द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि खेल मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इससे शरीर को स्वस्थ रखने के साथ दिमाग की क्षमता को विकसित करने और टीमवर्क करने का अवसर प्रदान होता है। वॉलीबॉल जूनियर बालिका वर्ग प्रतियोगिता में कासिम खेड़ा की टीम व पुरुष वर्ग में हरौनी की टीम विजय घोषित हुई। वहीं वॉलीबॉल सीनियर बालक वर्ग में दरोगा खेड़ा की टीम विजयी रही। जबकि कबड्डी प्रतियोगिता में सब जूनियर बालिका वर्ग में हरौनी की टीम और जूनियर बालिका वर्ग में कासिम खेड़ा की टीम ने विजय हासिल की। एथलेटिक्स के तहत 100 मीटर दौड़ जूनियर बालिका वर्ग में नैंसी वर्मा, 100 मी सब जूनियर दौड़ में शगुन, 100 मीटर जूनियर बालक वर्ग में शिवम ने पहला स्थान प्राप्त किया। इसी तरह 200 मीटर जूनियर बालिका वर्ग में जानवी, 200 मी सब जूनियर बालक वर्ग में प्रिंस कुमार ने पहला स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद बालिका सीनियर वर्ग में रूपम और बालक सब जूनियर वर्ग में नवनीत प्रथम स्थान पर रहे। विजेता खिलाड़ियों को एडीओ समाज कल्याण शिवकुमार वर्मा ने प्रमाण पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के संचालन में गढ़ी चुनौटी की सहायक अध्यापिका डॉ. कंचन पाठक, प्राथमिक विद्यालय दादूपुर की प्रधानाचार्या डॉ. अनीशा, स्काउट गाइड मास्टर संतोष कुमार व खेल शिक्षक नवनीत गुप्ता का काफी सहयोग रहा। क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रांतीय विकास दल अधिकारी प्रतिभा ने बताया कि विजयी खिलाड़ियों को आगामी जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में प्रतिभा करने का अवसर दिया जाएगा।

ट्रक चोरी की रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनी नगर में सोमवार रात चोरों ने एक ट्रक चोरी कर लिया। ट्रक मालिक ने सरोजनीनगर थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। वजीरगंज थाना क्षेत्र के कुंडरी रकाबगंज निवासी दीपेंद्र दुबे के मुताबिक उनकी ट्रक (यूपी 32 एफएन 8996) सरोजनीनगर के ट्रांसपोर्ट नगर में खड़ी थी। दीपेंद्र का कहना है कि मंगलवार सुबह जब वह पहुंचे तो ट्रक वहाँ से गायब मिली। उनका कहना है कि चोरों ने सोमवार रात ट्रक चोरी कर ली। जानकारी होने के बाद घटना की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी। साथ ही सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों के जरिए ट्रक और चोरों का पता लगा रही है।

अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के प्रदेश अध्यक्ष ने अटल जी की जन्म शताब्दी पर वितरण किये कंबल

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नगर पंचायत हरगांव के पूर्व अध्यक्ष पण्डित हरिनाम बाबू मिश्र ने जिले के विकास खंड बेहटा के एक स्थान पर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री कुशल वक्ता राजनीतिक पुरोधा पंडित अटल बिहारी बाजपेई की जन्म शताब्दी पर उन्हें याद करते हुए उनकी याद में समाज के वंचित लोगों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। जानकारी के अनुसार जिले के विकासखंड बेहटा के तंबौर में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री कुशल

वक्ता पंडित अटल बिहारी बाजपेयी की जन्म जयंती पर नगर पंचायत हरगांव के पूर्व अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के प्रदेश अध्यक्ष पण्डित हरिनाम बाबू मिश्र ने चित्र पर पुष्पर्चनकर उन्हें हृदय से याद किया। इस मौके पर उनके द्वारा समाज के जरूरतमंद लोगों को कंबलों का वितरण करते हुए संदेश दिया कि सभी को बढ़ चढ़कर जरूरतमंदों की समय–समय पर मदद जरूर करनी चाहिए।कार्यक्रम का संयोजन भारतीय जनता पार्टी के नेता रामनरेश त्रिवेदी ने किया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सदस्य विधान परिषद भरत त्रिपाठी मौजूद रहे। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के पिछड़ा वर्ग के जिला अध्यक्ष राम जीवन जायसवाल, भारतीय जनता पार्टी हरगांव मण्डल के पूर्व अध्यक्ष बृजेंद्र शुक्ल के अलावा भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ–साथ क्षेत्र के बुद्धि जीवी लोग भी मौजूद रहे।

आर आर सी सेंटर चढ़ा भृष्टा चार की भेंट,खुलेआम किया जा रहा पुरानी ईंट का प्रयोग

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले के विकास खण्ड बेहटा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बेलवा पसुरा में ठेकेदार द्वारा करवाए जा रहे आर आर सी सेंटर निर्माण कार्य में जमकर धांधली की जा रही है। लोगों के बताने के अनुसार आर आर सी सेंटर का निर्माण कार्य पूर्णतया भृष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। प्रत्यक्ष दर्शियों की माने तो आर आर सी सेंटर निर्माण में ठेकेदार द्वारा खुले आम पुरानी ईंट का प्रयोग किया जा रहा है और पुरानी ईंट की चुनाई के बाद प्लास्टर करके पुरानी ईंट को ढका जा रहा है।पुरानी ईंट प्रयोग का वीडियो बनाकर ग्रामीणों ने शोसल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो भृष्टाचार की पोल खोल रहा है। अब देखना यह है कि वीडियो वायरल होने के बाद जिम्मेदार अधिकारी क्या कार्यवाही करते है।

भारत के महारथी अवार्ड से सम्मानित हुए सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

उन्नाव। देश की राजधानी नई दिल्ली में इंटरनेशनल बिजनेस स्टार्टअप इंटरप्रेन्योर ऐसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा एन डी एम सी कॉन्वेंशन सेंटर में आयोजित महारथियों का महाकुंभ इंडियाञ्च2047 कॉन्फ्रेंस एवं भारत के महारथी सम्मान 3.0 समारोह में ट्री मैन के नाम से सुप्रसिद्ध जनपद उन्नाव के पुलिस कंट्रोल रूम व 112 आर ओ आई पी प्रभारी अनूप मिश्रा अपूर्व (सब इंस्पेक्टर) को पर्यावरण संरक्षण सरोकार एवं अभावग्रस्त बच्चों को शिक्षा के जरिये समाज की मुख्य धारा में जोड़ने में उल्लेखनीय योगदान प्रदान करने के लिए भारत के महारथी सम्मान से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा और लेफ्टिनेंट जनरल ए.बी .शिवाने,आर .आर .स्वैन (पूर्व डीजीपी जम्मू कश्मीर) , मेजर डॉ हिमांशु , कर्नल मनीष आनंद , ब्रिगेडियर अरुण गुप्ता , कर्नल पीके महर्षि एवं आई बी एस ई ए चैयरमेन डॉ अंशुमान सिंह द्वारा सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा को प्रतीक चिन्ह व प्रमाण पत्र भेंट कर भारत के महारथी सम्मान से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में विकसित भारत में योगदान करने वाले देश के 25 राज्यों से 500 से अधिक नामचीन हस्तियों को आमंत्रित किया गया और 50 कर्मवीरों को भारत के महारथी सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा ने हरित भारत निर्माण हेतु स्वयं द्वारा किये जा रहे पर्यावरण संरक्षण कार्यों के बारे में लोगों को जानकारी देते हुए सभी को अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनकी रक्षा करने का संकल्प दिलाया। अनूप मिश्रा ने कहा कि विकसित भारत मुहिम की परिकल्पना को साकार करने के लिए, युवाओं को आत्मनिर्भर एवं महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु अंतर्राष्ट्रीय संस्था आई बी एस ई ए के अध्यक्ष डॉ अंशुमान सिंह के अथक प्रयास 21वीं सदी के भारत को विकसित बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे। दरोगा अनूप मिश्र को मिलने वाले गौरवपूर्ण सम्मान पर पुलिस परिवार के अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य गणमान्य लोगों ने बधाई दी।

लोकनायक जयप्रकाश जयंती समारोह - अनेक चर्चित एवं जमीनी लोगों को जेपी अवार्ड- 2024 से सम्मानित किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

लोकनायक जयप्रकाश अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम में देश के लोकनायक जयप्रकाश नारायण को एक भव्य व गरिमापूर्ण कार्यक्रम में भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी व उनके विचारों का स्मरण करते हुए उनके विचारों की वर्तमान में भी उतनी प्रासंगिकता होने की बात कही गयी।इस अवसर पर जेपी से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। लोकनायक जयप्रकाश जयंती समारोह के अवसर पर लोकनायक एवं लोक क्रांति विषय पर देश के प्रसिद्ध व्यक्ति, राजनेता, साहित्यकार पत्रकार समाज विज्ञानी इत्यादि ने अपनी बात रखीं और इस मौके पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को से सम्मानित किया गया । यह कार्यक्रम इंडिया इंटरनेशनल सेंटर ,नई दिल्ली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में अभय सिन्हा , महासचिव लोकनायक जयप्रकाश अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विकास केंद्र ने बताया कि जेपी ने पांच जून, 1975 को पटना के गांधी मैदान में विशाल जनसमूह को संबोधित किया. यहीं उन्हें 'लोकनायक' की उपाधि दी गई. इसके कुछ दिनों बाद ही दिल्ली के रामलीला मैदान में उनका ऐतिहासिक भाषण हुआ. उनके इस भाषण के कुछ ही समय बाद इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाया. दो साल बाद लोकनायक के संपूर्ण क्रांति आंदोलन के चलते देश में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार बनी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गजेन्द्र सिंह शेखावत , माननीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री , भारत सरकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि बहुत से नेता मिले जिनके प्रयासों के कारण ही यह देश आज तक टिका हुआ है और उसकी समस्त उपलब्धियां उन्हीं नेताओं की दूरदृष्टि और त्याग का नतीजा है। ऐसे ही नेताओं में जीवन भर संघर्ष करने वाले और इसी संघर्ष की आग में तपकर कुंदन की तरह दमकते हुए समाज के सामने आदर्श बन जाने वाले प्रेरणास्रोत थे लोकनायक जयप्रकाश नारायण, जो अपने त्यागमय जीवन के कारण मृत्यु से पहले ही प्रातः स्मरणीय बन गए थे। अपने जीवन में संतों जैसा प्रभामंडल केवल दो नेताओं ने प्राप्त किया। एक महात्मा गांधी थे तो दूसरे जयप्रकाश नारायण। जनसंघ एवं बीजेपी के प्रेरक दीन दयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय एवं एकात्म मानवतावाद और जेपी के समाजवाद में बहुत साम्यता है । भारत के उपराष्ट्रपति आदरणीय जगदीप धनकड़ जी ने इस अवसर पर भेजे संदेश में कहा कि देश में आजादी की लड़ाई से लेकर वर्ष 1977 तक तमाम आंदोलनों की मशाल थामने वाले जेपी यानी जयप्रकाश नारायण का नाम देश के ऐसे शख्स के रूप में उभरता है जिन्होंने अपने विचारों, दर्शन तथा व्यक्तित्व से देश की दिशा तय की थी। उनका नाम लेते ही एक साथ उनके बारे में लोगों के मन में कई छवियां उभरती हैं । भारतीयता और समाजवाद एक दूसरे के पर्याय हैं । सनातन धर्म की शुभ - लाभ की संकल्पना का आधुनिक स्वरूप समाजवाद में अभिव्यक्त होता है । वहीं देश के जाने माने साहित्यकार एवं जन कवि डॉ बुद्धिनाथ मिश्र ने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकनायक के शब्द को असलियत में चरितार्थ करने वाले जयप्रकाश नारायण अत्यंत समर्पित जननायक और मानवतावादी चिंतक तो थे ही इसके साथ-साथ उनकी छवि अत्यंत शालीन और मर्यादित सार्वजनिक जीवन जीने वाले व्यक्ति की भी है। उनका समाजवाद का नारा आज भी हर तरफ गूंज रहा है। पूर्व सांसद आर के सिन्हा जी बोले कि भले ही उनके नारे पर राजनीति करने वाले उनके सिद्धान्तों को भूल रहे हों, क्योंकि उन्होंने सम्पूर्ण क्रांति का नारा एवं आन्दोलन जिन उद्देश्यों एवं बुराइयों को समाप्त करने के लिये किया था, वे सारी बुराइयां इन राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं में व्याप्त है। कार्यक्रम को इसके अतिरिक्त चक्रपाणि महाराज, पूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर जी के राजनीतिक सचिव रहे श्री एच एन शर्मा ने जेपी को स्मरण करते हुए कहा कि जेपी देश के ऐसे अकेले नेता रहे जो कभी किसी पद पर नहीं रहे परंतु उन्होंने 100 से ज्यादा संस्थाओं को स्थापित करने में अपना योगदान दिया, विधायक रश्मि वर्मा जी आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जेपी के मूल्यों व सिद्धांतों को आगे रखकर उत्कृष्ट कार्य करने वाले पूर्व व कई अन्य हस्तियों को जेपी अवार्ड-2024 से सम्मानित किया गया। जिसमें समाजवादी चिंतक थम्मपन थॉमस व विमल कुमार जैन, साहित्यकार ममता कालिया एवं बुद्धिनाथ मिश्र , भजन गायक अनूप जलोटा, शिक्षाविद प्रो. मनोज कुमार कैन,डॉ प्रकाश विनायक जोशी , वरिष्ठ पत्रकार संदीप चौधरी, नृत्यांगना नलिनी एवं कमलिनी जी , पर्यावरणविद सुरेश भाई आदि प्रमुख हैं कार्यक्रम का संचालन सुश्री अमृत नीलम ने किया।

राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान उत्तर प्रदेश द्वारा सुशासन दिवस के अवसर पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान, उ.प्र. की साहित्य और सुशासन गोष्ठी का आयोजन भारत के पूर्व प्रधान मंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई जी की जयंती के अवसर पर सेक्टर ई अलीगंज लखनऊ में आयोजित किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ0 दिनेश चंद्र अवस्थी जी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर अशोक शर्मा जी थे। यूपी महोत्सव के डायरेक्टर श्री एन0बी0 सिंह जी की कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति रही। मंचासिन अतिथियों को प्रतीक चिन्ह, शल्यार्पण ,माल्यार्पण और पुष्प पौध प्रदान कर सम्मानित किया गया। गोष्ठी का सफल संयोजन श्री सुनील कुमार वाजपेई एवम श्री सुशील श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में डॉक्टर शोभा दीक्षित %भावना% ने मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की।संस्थान की महामंत्री डॉक्टर सीमा गुप्ता ने सभी को संस्थान का परिचय दिया एवम भावी योजनाओं के विषय में बताया। कार्यक्रम में भारत रत्न श्रद्धा श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के थीम पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित साहित्यकारों द्वारा काव्य पाठ किया गया। गोष्ठी में श्री पंकज तिवारी ,श्री सौरभ जोशी,श्रीमती,ममता सिंह श्री राजीव कुमार सोनी, श्री चंद्र देव दीक्षित चंद्र, श्रीमती प्रतिभा श्रीवास्तव, श्री प्रमोद श्रीवास्तव, संपत्ति कुमार मिश्रा भ्रमर बैसवारी, श्री गौरी शंकर वैश्य विनम्र, श्रीमती रेणु वर्मा, श्री सैलेश दुबे, अथर्व तिवारी,सुश्री वैष्णवी पांडे ,श्री जयेंद्र नाथ पांडे, श्री विवेक सिंह, श्री दिनेश,श्री हनुमान प्रसाद लक्ष्मण जोशी कमलेश तिवारी,श्री शिव शंकर दुबे,श्रीमती पूर्णिमा बेदार श्रीवास्तव, श्रीमती राधा बिष्ट, श्री नागेन्द्र यादव, श्री गोबर गणेश जी, श्रीमती बीना प्रसाद, श्री विनोद सिंह,श्री मीना ठाकुर, श्री बलदेव चौधरी ,श्री शरद पांडे शशांक, सुश्री महिमा तिवारी, श्री विपुल मिश्रा, डॉक्टर संदीप शर्मा, श्री दिनेश जी, श्री पंकज सिंह, सुश्री अनन्या ठाकुर, सुश्री ऐश्वर्या,सुश्री सपना सिंह, श्री गौरव श्रीवास्तव , श्री वैदिक, श्री रुद्राक्छ सिंह, श्री विनय प्रताप जोशी, श्री अभय प्रताप चौरसिया, श्री ओम जोशी, श्रीमती गौरी देवी, श्री प्रफुल्ल कुमार, श्री विनय जायसवाल, श्री बलराम सिंह श्री शिव यादव, श्री आशीष सिंह, श्री अनुराग कुमार,श्री जितेंद्र गुप्ता, श्री अखिलेश्वर तिवारी, श्री रामराज सैनी, श्री विनोद सिंह, श्री शकील अहमद, श्री आलोक चतुर्वेदी,श्री अनिल चौरसिया, श्री भीकाजी चौरसिया, श्री रोहित अग्रवाल ,श्री हरि सिंह, श्रीमती ममता पंकज सिंह, सुश्री अंजली पांडे , सुश्री ममता जोशी आदि श्रोतागण, प्रबुद्धजन साहित्यकार उपस्थित थे। कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की गई।

प्रवर्तन जोन–7 में अधिकारियों की मिलीभगत से सील बिल्डिंग पर निर्माण जारी

⇨ मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, सील बिल्डिंग पर धड़ल्ले से चल रहा अवैध निर्माण

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण में भ्रष्टाचार का एक और घिनौना चेहरा सामने आया है। प्रवर्तन जोन–7 में अधिकारियों की मिलीभगत से एक सील की गई बिल्डिंग पर खुलेआम निर्माण कार्य जारी है।यह मामला अधिकारियों की मनमानी और भ्रष्टाचार की गहराई को उजागर करता है। जानकारी के मुताबिक जोनल अधिकारी शशि भूषण पाठक और अवर अभियंता शशि भूषण मिश्रा ने 09 जनवरी, 2023 को इस बिल्डिंग को सील किया था। लेकिन वर्तमान में जोनल अधिकारी राजीव कुमार के कार्यकाल में निर्माणकर्ता ने बिल्डिंग की सीलिंग तोड़ दी है और धड़ल्ले से निर्माण कार्य जारी है। यह बिल्डिंग चौक क्षेत्र स्थित वी–मार्ट के पास अधिकारियों की संरक्षण में बनाई जा रही है।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर इस मामले की शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई और शिकायतकर्ता को झूठा आश्वासन देकर टरका दिया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्होंने बार–बार अधिकारियों को अवैध निर्माण के बारे में सूचित किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पूरे मामले में जोनल अधिकारी की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि वह निर्माणकर्ता को संरक्षण दे रहे हैं। इस घटना से स्पष्ट होता है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण में भ्रष्टाचार कितना व्याप्त है और अधिकारी किस तरह से नियमों को ताक पर रखकर अवैध काम कर रहे हैं। यह निर्माण अधिकारियों की शर्मनाक करतूतों का एक और उदाहरण है। सील की गई बिल्डिंग पर निर्माण कार्य जारी रखना न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि जनता के साथ धोखाधड़ी भी है। इस मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे मामले दोहराए न जा सकें।

अलमआरिज एजुकेशनल ट्रस्ट के तहत जश्न-ए-इसमत व तालीमी सेमिनार का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सरफराज़गंज स्थित मौला अली के रौज़े पर हजरत मोहम्मद साहब की बेटी हजरत फातिमा ज़हरा की विलादत के मौके पर %जश्न-ए-इसमत व तालीमी सेमिनार% का आयोजन संस्था अलमआरिज एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आरंभ क़ुरआन मजीद की तिलावत से हुआ, जिसे मौलाना एजाज़ हुसैन कश्मीरी ने पेश किया। अलमआरिज एजुकेशनल ट्रस्ट के छात्रों और छात्राओं ने शैक्षिक प्रदर्शनी लगाई, जिसमें उनकी प्रतिभा और ज्ञान का प्रदर्शन हुआ। आलिमों ने तालीम की अहमियत और हजरत फातिमा ज़हरा के जीवन पर प्रकाश डाला। ट्रस्ट के संस्थापक मौलाना सय्यद मोहम्मद अली ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह समाज सुधार के लिए अनिवार्य है। अशआर और तकरीरें: शायरों ने अपने अशआर पेश किए, और मौलाना मुमताज़ जाफ़र नकवी, मौलाना सादिक़ अब्बास आबदी, मौलाना वक़ार हैदर समेत कई प्रमुख मौलानाओं ने तालीम और इस्लामी शिक्षाओं पर तकरीरें पेश कीं। कार्यक्रम के अंत में ट्रस्ट के छात्रों और छात्राओं को उनकी उपलब्धियों के लिए पुरस्कार वितरित किए गए। मौलाना मुमताज़ जाफ़र नकवी, मौलाना सादिक़ अब्बास आबदी, मौलाना वक़ार हैदर, मौलाना शबीर अली, मौलाना फैज़ान जाफ़र, मौलाना सय्यद सईदुल हसन, और अन्य प्रमुख आलिमों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस आयोजन ने न केवल शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया, बल्कि समाज सुधार और इस्लामी जीवनशैली को अपनाने की प्रेरणा भी दी। ट्रस्ट की सामाजिक सेवाओं और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को सराहा गया। मौलाना सय्यद मोहम्मद अली ने सभी उपस्थित लोगों और आयोजन में सहयोग देने वालों का आभार व्यक्त किया।

विधानसभा मार्ग मंदिर खुला या बंद ? विवाद में नया मोड़

❑ मंदिर बंद होने के दावे के बीच प्रशासन जांच में जुटा

- स्थानीय लोग: मंदिर 30 साल से बंद, प्रशासन की कोई कार्रवाई नहीं।
- मंदिर प्रशासन: मंदिर नियमित रूप से खुलता है, पूजा-अर्चना होती है।
- बिल्डिंग मालिक: मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया, पुजारी रखा।

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। विधानसभा मार्ग पर स्थित एक मंदिर को बंद करने के दावों के बीच शहर में तनाव का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मंदिर 30 साल से अधिक समय से बंद है और प्रशासन इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। हालांकि, मंदिर प्रशासन और स्थानीय दुकानदारों का दावा है कि मंदिर नियमित रूप से खुलता है और यहां पूजा-अर्चना होती है। इस विवाद के बाद ब्राह्मण संसद और मीता दास गजराज सिंह मंदिर ट्रस्ट से जुड़े लोगों ने लखनऊ कमिश्नर से मुलाकात की। कमिश्नर ने इस मामले को जिलाधिकारी को भेज दिया है। जिलाधिकारी ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। मंदिर के पास स्थित एक बिल्डिंग के मालिक डॉ. शाहिद का कहना है कि उन्होंने इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया है और यहां पुजारी भी रखा है। उन्होंने कहा कि मंदिर कभी बंद नहीं रहा। वहीं, स्थानीय दुकानदारों का भी यही कहना है कि वे हर रोज मंदिर में पूजा-अर्चना होते हुए देखते हैं।

प्रथम बार उत्तर प्रदेश में पार्षद द्वारा पुरखे सम्मान समारोह आयोजित किया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजिनीनगर। पूर्व प्रधानमंत्री ,भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म जयंती पर लखनऊ के महापौर सुषमा खड़कवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व सांसद कौशल किशोर सरोज़नी नगर विधानसभा के यशस्वी विधायक डॉक्टर राजेश्वर सिंह के सानिध्य में सरोजनीनगर प्रथम वार्ड में पार्षद गीता देवी गुप्ता के द्वारा पुरखे सम्मान समारोह* आयोजित हुआ। इस सम्मान समारोह में राष्ट्रीय स्वयं संघ, भारतीय जनता पार्टी, समाज के बुद्धिजीवी लोग,खेलकूद जगत के प्रतिभावान, व्यापारी जगत के,सम्मानित लोगों को, दुर्गेश (माधव सेवा संस्थान), हीराराय ,(आर.एस.एस), विजय द्विवेदी (बौद्धिक प्रमुख),भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ व पूर्व सहकारी बैंक के चेयरमैन मान सिंह नानक चंद लखमानी , पूर्व उपाध्यक्ष सिंधी समाज,श्री अनिल बाजपेयी ,सदस्य खाद्य एवं रसद विभाग भारत सरकार, प्रेम खड़कवाल, राष्ट्रीय संयोजक राष्ट्रीय व्यापार संघ , गिरजा शंकर गुप्ता,प्रदेश संयोजक प्रचार विभाग भाजपा, रामशंकर राजपूत ,क्षेत्रीय महामंत्री पिछड़ा मोर्चा अवध क्षेत्र आदि सभी लोग उपस्थित रहे.

समाचार

धूमधाम से भृगु पब्लिक स्कूल में मना क्रिसमस डे

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लालपुरवा निकट दयाल फैक्ट्री, फ़ैजाबाद रोड स्थित भृगु पब्लिक स्कूल में क्रिसमस डे हर्षोल्लास से मनाया और शानदार कार्यक्रम के आयोजन किये गये। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने रंगा रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। स्कूल के प्रांगण में विद्यार्थियों ने कई रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिनमें आकर्षक नृत्य, कविता पाठ, जिंगल कैरल्स और लघु नाटिकाएं शामिल थीं। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना और क्रिसमस ट्री सजावट से हुई। बच्चों ने संताक्लॉज के वेश में जिंगल बेल्स गाते हुए सभी को खुशी और उत्साह का अनुभव कराया। लघु नाटिका के माध्यम से यीशु मसीह के जन्म की कहानी को भी जीवंत रूप से प्रस्तुत किया गया, जिसने सभी को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के प्रबन्धक के. के. दूबे ने ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि क्रिसमस शांति और प्रेम का प्रतीक है। स्कूल की प्रधानाचार्या ऋतु मिश्रा ने बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा की और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही, उन्होंने विद्यालय परिवार और उपस्थित सभी लोगों को क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नवनिर्मित प्रतीक्षा कक्ष कैंटीन, वाहन पार्किंग गार्डन का उद्घाटन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। राजधानी लखनऊ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरोजनीनगर मे सीएसआर के अंतर्गत पी.आई इंडस्ट्रीज करम द्वारा मरीजो के हितो एवम जन सामान्य कि सुविधा हेतु स्वाथ्य सेवा संकल्प के अंतर्गत नवनिर्मित प्रतीक्षा कक्ष , कैंटीन, वाहन पार्किंग, गार्डन इत्यादि का उद्घाटन दिन गुरुवार को राजेश निगम एम डी, कविता निगम सी एच आर ओ, अमिताभ श्रीवस्तव एसीएमओ, जावेद एवीपी, अजय डीजीएम , रानू एजीएम, डॉ अज़हर एमओ, मदन लाल गुप्ता चीफ फार्मसिस्ट,आर बी मौर्या, चीफ फार्मसिस्ट, स्वराज मोहन बीपीएम, प्रशांत श्रीवास्तव बि सी पी एम , विवेक बीएएम, नामित एम सी टी एस, मनीष यादव की उपस्थिति मे उपस्थित में उद्घाटन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सभी ने हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

नए डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने पुराने लखनऊ में किया पैदल गश्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ-गुरुवार को डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने चौक थाना के नक्खास क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायज़ा लिया। डीसीपी पश्चिम ने पैदल गश्त के दौरान इलाके की सुरक्षा व्यवस्था को परखा और दुकानदारों से संवाद किया। विश्वजीत श्रीवास्तव ने स्थानीय नागरिकों और दुकानदारों को भरोसा दिलाया कि पुलिस पुराने लखनऊ की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गश्त के दौरान पुलिस बल की प्रभावी मौजूदगी ने क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल और मजबूत किया। पैदल गश्त और संवाद से स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। इस पहल से पुलिस और आम जनता के बीच विश्वास बढ़ाने में मदद मिली। डीसीपी पश्चिम ने कहा कि इस तरह के गश्त नियमित रूप से जारी रहेंगे ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे। डीसीपी विश्वजीत श्रीवास्तव के साथ एडीसीपी, एसीपी, चौक थाना प्रभारी, और बाहरी पुलिस बल मौजूद रहे।

शबीहे बैतुल हज़्न में मोहम्मद मेहदी ख़ां इफ़्तिकारी की मजलिस

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सहादतगंज स्थितमें शबीहे बैतुल हज़्न में मोहम्मद मेहदी ख़ां इफ़्तिकारी की याद में मजलिस का आयोजन किया गया। इस मजलिस को प्रसिद्ध आलिम मौलाना क़म्बर अली रिज़वी ने संबोधित किया। मौलाना क़म्बर अली रिज़वी ने इस्लाम की शिक्षाओं, अहलेबैत (अ) के फज़ाइल, और विशेष रूप से हज़रत इमाम हुसैन (अ) के बलिदान की अहमियत पर विस्तार से चर्चा की। मौलाना ने मरहूम मोहम्मद मेहदी ख़ां इफ़्तिकारी की धार्मिक और सामाजिक सेवाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन इस्लामी आदर्शों का प्रतीक था। मजलिस में बड़ी संख्या में अज़ादारों ने शिरकत की। सभी ने ग़म-ए-हुसैन में मातम किया और मरहूम के लिए सवाब की दुआ की। मजलिस में स्थानीय अज़ादारों के साथ कई प्रमुख शख्सियतें भी मौजूद थीं, जिन्होंने मरहूम की याद में फातिहा पढ़ी और उनकी सेवाओं को सराहा। शबीहे बैतुल हज़्न में आयोजित यह मजलिस मरहूम के जीवन और उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि देने का अवसर बनी।

ड्यूटी के दौरान संदिग्ध हालत में गार्ड की हुई मौत के मामले में पत्नी ने दर्ज कराई रिपोर्ट

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर में करीब डेढ़ माह पहले ड्यूटी के दौरान संदिग्ध हालत में एक प्राइवेट गार्ड की हुई मौत के मामले में मृतक की पत्नी प्रतिभा सिंह ने सिक्योरिटी कंपनी द्वारा अधिक कार्य लिए जाने के कारण मौत होने का आरोप लगाते हुए सरोजनीनगर थाने में तहरीर दी है। बंथरा के गढ़ी चुनौटी गांव निवासी महिला प्रतिभा सिंह के मुताबिक उनके पति स्व. धर्मेंद्र सिंह व्हाइट विंग्स सिक्योरिटी गार्ड सर्विस विभूति खंड, गोमती नगर में नियुक्त होने के साथ सरोजनीनगर के दरोगा खेड़ा चौराहा, नई पुलिस लाइन, कानपुर रोड में ड्यूटी करते थे। प्रतिभा का कहना है कि पति धर्मेन्द्र बीती 11 नवंबर को दोपहर करीब 12 बजे घर से ड्यूटी करने गए थे। कुछ देर बाद करीब सवा 1 बजे उपेंद्र नामक सुपरवाइजर ने फोन कर सूचना दी कि उसके पति की मौत हो गई है।

छात्र को डंपर ने कुचला, मौत

● साइकिल से स्कूल जा रहा था भाग रहे डंपर ड्राइवर को लोगों ने दौड़ा कर पकड़ा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह स्कूल जा रहे छात्र को डंपर ने कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल छात्र को लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं डंपर छोड़कर भाग रहे ड्राइवर को लोगों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने छात्र के पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर डंपर को कब्जे में ले लिया है। बिजनौर के गोल्डन सिटी, औरंगाबाद जागीर के रहने वाले चंद्र प्रकाश मौर्य का बेटा कार्तिकेय मौर्य (14) उर्फ आर्यन सरोजनी नगर के बेहसा, न्यू गुड़ौरा स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल में कक्षा 7 का छात्र था। सुबह करीब 8 बजे साइकिल से पढ़ने के लिए स्कूल जा रहा था। पीछे से मारी ठोकर औरंगाबाद अंडरपास के पास बिजनौर की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार डंपर (यूपी 32 एलएन 0249) ने उसकी साइकिल में पीछे से जोरदार ठोकर मार दी। जिससे कार्तिकेय बुरी तरह घायल हो गया। वहीं घटना को अंजाम देकर भाग रहे डंपर व उसके चालक गोविंद सिंह कुशवाहा को स्थानीय लोगों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। सूचना पाकर कार्तिकेय के घर वाले मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बिजनौर थाना प्रभारी का कहना है कि बच्चे के पिता ने तहरीर दी है। डंपर को कब्जे में लिया गया है। ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

जन कल्याण सेवा समिति द्वारा बिजली पासी का जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बिजनौर के नटकुर गांव में को महाराजा बिजली पासी जन कल्याण सेवा समिति द्वारा बिजली पासी का जन्मोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में महाराजा बिजली पासी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर केक काटा गया। बाद में एक दूसरे को केक खिलाकर महाराजा बिजली पासी जन्मोत्सव की बधाई दी गई। कार्यक्रम में कमेटी अध्यक्ष सुंदरलाल रावत ने पासी समाज के लोगों से एकजुट और संगठित रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज के सभी लोग एकजुट होकर अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने की कोशिश करें। जिससे कि समाज की नई पीढ़ी ऊंचाइयों पर पहुंच सके। कार्यक्रम में कमेटी के महामंत्री मुकेश रावत, प्रबंधक गोविंद रावत उर्फ गोविंद ज्वेलर्स, सर्वेश रावत, कुलदीप रावत, भाजपा नेता सुभाष पासी, संदीप कुमार, बच्चू लाल, सुशील रावत, मनीष व विनय राजवंशी सहित तमाम अन्य लोग मौजूद रहे।

स्कूटी सवार को कार ने मारी टक्कर युवक गंभीर रूप से घायल

● टेढी पुलिया में हुआ हादसा, कार चालक फरार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी के टेढ़ी पुलिया के इलाके में गत शुक्रवार की शाम को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जिसमें एक स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वासिफ अली खान नामक युवक जिम से अपने घर लौट रहा था, तभी पीछे से आ रही एक कार ने उसकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वाफिस अली बुरी तरह से घायल होकर बेहोष हो गया। राहगीरों द्वारा कोई मदद न किए जाने के कारण बुरी तरह से घायल वाफिस अली यूंही सड़क पर बेहोष पड़ा रहा। और इस दौरान उसके षरीर से खून बहता रहा। काफी देर बाद जब उसे खुद होष आया तो किसी तरह उसने हिम्मत जुटा कर एक नजदीक के अस्पातल मुस्कान पहुंचा, जहां उसका प्राथमिक इलाज हुआ। परिवार को सूचना मिलते ही परिवार के लोग मुस्कान अस्पताल पहुंचे। बाद में उसे ट्रामा अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।इस घटना की सूचना परिवार वालों ने संबंधित पुलिस थाने में दी। पुलिस ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। परिवार के लोगों ने इसे हत्या की साजिष बताया है। युवक की पत्नी इंषा खान का कहना है कि उनके साथ षानू आफरीन और उसके पति अल्ताफ ने पैसों का गबन किया है। जिसका प्रार्थना पत्र हम लोगों ने कैसरबाग कोतवाली में दे दिया है। तभी इन लोगों ने हम लोगों को धमकी दी थी कि अगर तुम लोगों ने हमारे खिलाफ कोई कानूनी कार्यवाही करने की कोषिष की तो तुम लोगो को जान से मरवा देंगे। घायल युवक की पत्नी ईशा खान ने पुलिस से कार चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि उनके पति की हालत अभी भी गंभीर है।

धूमधाम से बीएलएसडी इण्टर कॉलेज मंझिगवॉं का मनाया गया वार्षिकोत्सव

- अपनी जन्मभूमि को बनाऊँगा शैक्षिक हबः डॉ सुधाकर वर्मा
- विधायक निर्मल वर्मा ने कॉलेज को बताया शैक्षिक सेतु

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले के बिसवां क्षेत्र के इस ग्रामीण इलाके में बृजमोहन लाल शकुंतला देवी इण्टर कॉलेज मंझिगवॉं एक अद्भुत शैक्षिक सेतु है। जो क्षेत्र को विकास की मुख्य धारा में लाने और बच्चों का भाग्य जगाने के लिए तन मन धन से तत्पर है।यहॉं के विद्यार्थी इस क्षेत्र का नाम प्रदेश और देश में रोशन करेंगे। यह बात क्षेत्र के बृजमोहन लाल शकुंतला देवी इण्टर कॉलेज मंझिगवॉं में बिसवां विधायक निर्मल वर्मा ने वार्षिकोत्सव और प्रतिभा अलंकरण समारोह को सम्बोधित करते हुए कही। लखनऊ विश्वविद्यालय के डीन सहायक डॉ. सुधाकर वर्मा ने कहा कि मेरे पूज्य माता पिता का सपना है कि इस इलाके का कोई भी शिक्षा से वंचित न रहे इसलिए मैं अपने माता–पिता के सपनों को साकार करने के लिए सम्पूर्ण योग दान दे रहा हूॅं और इस इलाके को शैक्षिक हब बनाने के अर्पित समर्पित हूॅं। नन्द किशोर कैलाश चंद्र महाविद्यालय बिसवां के निदेशक सन्तोष कुमार वर्मा ने बतौर विशिष्ट अतिथि छात्रों को जीवन में सूझबूझ से आगे बढ़ने का मूलमंत्र दिया।समारोह की अध्यक्षता डॉ. अजय कुमार वर्मा ने की।बृजमोहन लाल शकुंतला देवी इण्टर कॉलेज मंझिगवॉं के अध्यक्ष, साहित्य रत्न और आयुर्वेदाचार्य डॉ विंद्रा प्रसाद धुरिया ने शुभाशीष देकर जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दिया।उपस्थित जन समूह ने विद्यार्थियों का खूब हौसला आफजाई किया। मंच संचालन देवेन्द्र मिश्र ने किया। एल पी एल डी मेमोरियल एकेडमी रघुनाथपुर ऐनी के प्रबन्धक सुरेन्द्र मौर्य,दरोगा रामकुमार कश्यप, राहुल वर्मा सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे। डॉ देवेंद्र कश्यप %निडर% का हुआ नागरिक अभिनंदन असिस्टेंट डीन लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ और क्षेत्रीय विधायक निर्मल वर्मा के नेतृत्व में बी एल एस डी इण्टर कॉलेज मंझिगवॉं में डॉ.देवेन्द्र कश्यप %निडर% का साहित्य जगत में अप्रतिम योगदान के लिए नागरिक अभिनन्दन किया गया। नागरिक अभिनन्दन पत्र का वाचन प्रवक्ता चन्द्रशेखर प्रजापति के द्वारा किया गया। जिसमें डॉ देवेंद्र कश्यप निडर के सृजन संसार और व्यक्तित्व को परिभाषित किया गया है। विश्व विख्यात माउण्टेन मैन ऑफ इण्डिया दशरथ मॉंझी के प्रबंध काव्य श्रमवीर और बाल चेतना की उम्दा किताब काश !चिरैया हम भी होते% को रेखांकित किया। अवधी भाषा में साहित्य सृजन के लिए राज्य हिंदी संस्थान बनारस द्वारा सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पर अलंकृत होने की बात बताई। उपस्थित जन समूह ने डॉ देवेंद्र कश्यप निडर को विशेष रूप से बधाई दी। फिर डॉ0देवेंद्र कश्यप निडर ने अपने सम्बोधन से सभी के प्रति आभार व्यक्त किया और अपनी प्रेरक कविताओं से शैक्षिक और सामाजिक अभियानों पर केन्द्रित काव्य पाठ किया।

संपादकीय

वक्त की आवाज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अमरावती में दिए वक्तव्य में धर्म के नाम पर पैदा की जा रही गलतफहमियां दूर करने की बात कही। उन्होंने कहा कि राममंदिर बनना तो ठीक है लेकिन इस तरह के नये-नये मंदिर विवाद खड़ा करना देश की सामाजिक समरसता के लिये ठीक नहीं है। उन्होंने स्वीकारा कि विविधता हमारा वर्तमान तो है लेकिन ये हमारे अतीत का हिस्सा भी रहा है। देश में विभिन्न धर्म-संस्कृति के लोग आते रहे हैं। प्रारंभिक मतभेद और कटुता को दूर करके भारतीय संस्कृति का हिस्सा बनते रहे हैं। जिससे विविधता के बीच एकता के सूत्र विकसित होते रहे हैं। यही वजह है कि बाद में कानून के जरिये तय हुआ कि आजादी के वक्त पूजा स्थल का जैसा स्वरूप रहा, उसे यथास्थिति में बनाये रखा जाये। निश्चित रूप से ऐसे विवादों को हवा देने से सामाजिक समरसता पर आंच आएगी व देश का विकास बाधित होगा। इसके बाद जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य व कतिपय अन्य धर्मगुरुओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने बयान को भागवत की निजी राय बताया। निश्चित रूप से भागवत का बयान समय की आवाज है और बकौल भागवत धर्म की सतही समझ से सांप्रदायिक कट्टरता को बढ़ावा मिलता है। लेकिन यह बात विचारणीय है कि भागवत के बयान के विरोध में तो आवाजें उठी, लेकिन संघ प्रमुख के बयान के समर्थन में संघ के आनुषंगिक संगठनों व भाजपा नेताओं की तरफसे कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। जबकि प्रधानमंत्री व गृहमंत्री अमित शाह के ऐसे बयानों के समर्थन में पार्टी नेताओं में बयानबाजी की होड़ पैदा हो जाती है। समय की मांग है कि संघ प्रमुख के बयान में निहित संदेश को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि संघ की स्थापना के मूल में हिंदुत्व की विचारधारा रही है। यही इस संगठन का आधार भी रहा है। ऐसे में जब संगठन की तरफसे प्रगतिशील विचार सामने आता है तो उसे सुना जाना चाहिए। उसका स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, धर्म एक जटिल मुद्दा है और इसके वास्तविक स्वरूप को समझे जाने में चूक होने की आशंका बनी रहती है। जिसके चलते सांप्रदायिकता को बढ़ावा मिलने की आशंका बलवती होती है। वहीं सवाल उठता है कि क्या भागवत के बयान वाला दृष्टिकोण संगठन में उदारवादी व सख्त नीति के बीच विभाजित हो रहा है? यही वजह है कि संघ व भाजपा नेताओं की तरफसे इस बयान को सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला है। इस बयान को बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां कट्टरपंथियों के वर्चस्व के रूप में देखा जा सकता है। भागवत की चिंताओं को इस संदर्भ में देखा जाना चाहिए। पूरी दुनिया में इस्लामिक कट्टरता के चलते संप्रदाय को अतिवाद के पोषक के रूप में देखा जाता रहा है। जिसके चलते इसकी छवि धूमिल हुई है। ऐसे ही यदि बहुसांस्कृतिक देश में कट्टरवाद को प्रश्रय दिया जाता है तो वैश्विक संदर्भ में देश की छवि पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। धर्म विशेष के नाम पर दुनिया में आतंकवाद की जो मुहिम चली है, उससे धर्म को हिंसा के पर्याय के रूप में देखा जाने लगा है। जिसको लेकर धारणा बनी है कि इससे धर्म की गलत व्याख्या की जा रही है। निश्चित रूप से ऐसे ध्रुवीकरण के प्रयासों से देश में विकास का एजेंडा हाशिये पर चला जाएगा। इसे उत्तर प्रदेश के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए जहां नित नये विवादों को तूल देने के कारण सांप्रदायिक तनाव में वृद्धि देखी गई। उदाहरण के तौर पर संभल में हुई घटना को देखा जा सकता है, जहां हिंसा में चार लोगों की जान चली गई थी। ऐसे कृत्यों से भारत के विश्वगुरु बनने के दावे तथा वसुधैव कुटुंबकम की सनातन परंपरा पर आंच आती है। जिसके लिए जरूरी है कि हमें अपनी बात को ऊंचा रखकर दूसरे विचार की अनदेखी की जिद से बचना होगा। हम अपनी आस्था का ख्याल तो रखें लेकिन साथ ही दूसरे पक्ष के विचार का भी सम्मान करें। ऐसे में देश के कर्णधारों को चाहिए कि वे सत्ता पर काबिज रहने के लिये धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति से बचें।

ये दाग अच्छा है!

पूजा करना, दान देना, व्रत-उपवास रखना आदि सभी सद्कर्म हैं और निश्चयपूर्वक इनके पालन का फल अच्छा ही होगा। हर धर्म इनकी अनुशंसा करता है। ध्यान बस यह रखना है कि हम घर में बैठ कर पूजा करें या किसी पूजा स्थल पर जाकर माथा टेकें, उसका जो महत्व है उससे भी ज्यादा महत्व इस बात का है कि पूजा के बाद हम दिन भर क्या करते हैं, हमारा व्यवहार कैसा रहता है? हमारा दिन भर का व्यवहार और हमारे काम ही नियत करते हैं कि हम आस्तिक हैं या नहीं। मंत्रों का जाप करके, भजन-कीर्तन करके, पूजा-पाठ करके हम खुद को आस्तिक मानते रह सकते हैं, पर आस्तिक सिर्फ और सिर्फ वही है जो दिन भर के अपने कामों और व्यवहार में ईमानदार है, दयालु है और समाज की भलाई के लिए योगदान देने को तैयार है। एक अच्छा पति वह नहीं है जो बीवी को शॉपिंग करवाए, उसे देश-विदेश की सैर करवाए, बल्कि वह है जो ध्यान से उसकी बात सुने, उसके भावों को समझे, उसे आदर दे और प्यार दे। भूख रोटी से मिटती है, मक्खन से नहीं। शॉपिंग और सैर मक्खन हैं। भावों की समझ, आदर और प्यार वह रोटी है जो बीवी का रिश्ता निभा रही महिला को तृप्ति देती है। इसी तरह पूजा-पाठ, दान, व्रत-उपवास आदि मक्खन हैं, दिन भर लोगों से शांति का व्यवहार, उनकी गलतियों के बावजूद उनसे सहानुभूति, इस ब्रह्मांड के हर जड़-चेतन वस्तु से प्यार, जरूरतमंदों की सहायता, मार्गदर्शन और ममतापूर्ण प्रेम हमें अच्छा इनसान बनाती हैं। हम पूजा-पाठ करते हों, व्रत-उपवास रखते हों, दान देते हों, लेकिन हम क्रोधी हों, अहंकारी हों, निर्दयी हों, लालची हों, झूठ बोलते हों।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के गौरवशाली सौ वर्ष

अजित कुमार जैन

25 दिसम्बर 1925 कुछ युवा देश भक्त महान समाजवादी अक्टूबर क्रांति से प्रेरित होकर तथा क्रांतिकारी जोश से भरकर साम्राज्यवादी उत्पीड़न का सामना करते हुए कानपुर में इकत्र हुए और उन्होंने राष्ट्रीय आजादी एवं समाजवाद के भविष्य के लिये संघर्ष करने के संकल्प के साथ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की। 26 दिसम्बर 24 को हम पार्टी स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मनाने को अग्रसर हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म उस अवधि में हुआ, जब भारत में साम्राज्यवाद विरोध संघर्ष ने जुझारू आयाम ग्रहण कर लिया था। 1920-22 में ऐतिहासिक असहयोग आंदोलन में मजदूरों, किसानों, छात्रों, मध्यम वर्गों की कार्रवाई एवं चेतना को नये स्तर तक जागृत कर दिया था। लेकिन अचानक असहयोग आंदोलन वापिस किये जाने से उनमें निराशा एवं मोहभंग हो गया और वे साम्राज्यवाद विरोधी संघर्ष के लिये नये अधिक क्रांतिकारी तथा सुसंगत मंच की खोज करने लगे। भाकपा का जन्म मजदूरों, किसानों, छात्रों के जुझारू एवं वर्गीय उभारों के बीच हुआ जो हड़तालों, संघर्षों, भूस्वामी विरोधी धाराओं के प्रतिनिधि थे। जो कानपुर में 26-28 दिसम्बर 1925 को शामिल हुए और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की। यह हल्की धारा विशाल धारा बन गई। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म जुझारू साम्राज्यवाद विरोधी देश भक्त और अंतरराष्ट्रीयतावाद, राष्ट्रीय मुक्ति के लिये संघर्ष तथा समाजवाद के लिये वर्ग संघर्ष की धाराओं के मिलन से हुआ। साम्राज्यवाद को उखाड़ फेंकने और पूर्ण आजादी की मांग 1921 में कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन में हजरत मोहानी (जो भाकपा स्थापना स्वागत समिति के अध्यक्ष थे) ने प्रस्ताव पेश किया। 1922 के कांग्रेस के गया अधिवेशन में सिंगारवेलु चेट्टियार (जिन्होंने कानपुर स्थापना सम्मेलन की अध्यक्षता की) ने पूर्ण आजादी की मांग दुहराई और व्यापक समर्थन हासिल किया। कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन 1928 में एटक, भाकपा आादि ने पचास हजार लोगों का प्रदर्शन कर पूर्ण आजादी की मांग दुहराई तब जाकर 1931 करांची कांग्रेस अधिवेशन में इस मांग को मंजूर किया। भारत और विदेशों के भारतीय राष्ट्रवादी एवं क्रांतिकारी कम्युनिस्ट आंदोलन की ओर आकृष्ट होने लगे। मुस्लिम क्रांतिकारियों के खिलाफजिन्हें मुजाहिरों के नाम प्रसिद्ध है। उन पर चार पेशावर षडयंत्र केस चलाये गये। जिसका लक्ष्य नवजात कम्युनिस्ट आंदोलन को कुचलना था परन्तु ऐसा नहीं हुआ। अंग्रेजों ने जल्द ही दूसरा प्रहार किया। एस.ए.डांगे मुजफ्फर अहमद, नलिनी गुप्ता, शौकत अली, उस्मानी, सिंगारवेलु चेट्टियार, गुलाम हुसैन एवं अन्य के खिलाफ कुख्यात कानपुर षडयंत्र केस में 17 मार्च 1924 को दिये आरोप पत्र में कहा अभियुक्त कम्युनिस्टों का लक्ष्य श्एक हिंसक क्रांति द्वारा ब्रिटिश साम्राज्यवाद को पराजित करना तथा ब्रिटिश साम्राज्य की संप्रभुता से वंचित करना था। मई 1924 को डांगे, मुजफ्फर अहमद, गुप्ता और उस्मानी को चार वर्ष की कैद की सजा दी गई। कम्युनिस्टों ने राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और ट्रेड यूनियन आंदोलन में सशक्त कार्रवाइयां करना तथा राजनैतिक क्षेत्र में उनके कार्यकलापों ने राष्ट्रीय आंदोलन के क्रांतिकारी पक्ष को सामने ला दिया। जिस पर मार्च 1929 में 31 अग्रणी कम्युनिस्ट एवं ट्रेड यूनियन नेताओं को गिरफ्तार किया जो मेरठ षडयंत्र केस के नाम से प्रसिद्ध है। इनमें एस.ए. डांगे मुजफ्फर अहमद, गंगाधर अधिकारी, पी.सी. जोशी, एस.एस. मिरजकर तथा अन्य शामिल थे। 1930-40 के दशक के दौरान सैकड़ों जुझारू देशभक्त, राष्ट्रीय क्रांतिकारी, मजदूर शामिल हो गये। वर्ग आधार एवं वर्ग दृष्टिकोण से भाकपा ने देश की बहुमत जनता को भागीदार बनाने हेतु 1920 में एटक का गठन किया गया। 1936 में स्वामी सहजानंद सरस्वती और इन्दुलाल याज्ञिक जैसे क्रांतिकारी जनवादी नेताओं के साथ किसान सभा की स्थापना की गई जिसके झंडे तले जमींदारी प्रथा समाप्त करने, कास्तकारों की हितरक्षा, आधी बटाई की जगह दो तिहाई हिस्सा देने, जोतने वालों को जमीन देने जैसी मांगों को लेकर शक्तिशाली सामंत विरोधी किसान कार्रवाईयां हुईं। किसान संघर्ष के दौरान कार्यानंद शर्मा, ए.के. गोपालन, जीवानंदन जैसे सैकड़ों नाम है। बाद में महान लेखक, विचारक राहुल सांस्कृत्यायन भी किसान सभा में शामिल हुए और अनेक बार जेल गये। कैय्यूर शहीदों के अमर नाम, तेभाना, तेलंगाना, पेप्सू संघर्ष के वीरों के नाम अवस्मिरणीय रहेंगे। 1936 में प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना की गई। भारतीय संस्कृति के महान व्यक्तियों गुरूवर रवीन्द्रनाथ टैगोर, मुंशी प्रेमचंद, महाकवि वल्लाथोल, सज्जाद जहीर, जोश महीलावादी आदि ने लोकप्रिय, प्रगतिशील, साम्राज्यवादी विरोधी एवं फासिस्ट विरोधी लोकतांत्रिक संस्कृति का अग्रदूत लेखक संघ बन गया। 1943 में भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) की स्थापना बहुलवादी संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण मोड़ था। क्रांतिकारी गीत, संगीत, नाटक, नुक्कड़ नाटक के लोक रूपों के पुर्न जीवन से श्जनता को संस्कृति के निकट लाने एवं संस्कृति को जनता के निकट लाने में मदद मिली।

कम्युनिस्टों द्वारा सामंत विरोधी साम्राज्यवाद विरोधी लहर का प्रभाव आम जनता के साथ फौज पर भी पड़ा परिणाम स्वरूप भारतीय वायुसेना ने हड़ताल कर दी और 1946 में भारतीय नौसेना के सैनिकों एवं भारतीय अधिकारियों ने विद्रोह कर दिया जो महान विद्रोह 1857 के प्रथम स्वतंत्रता युद्ध के बाद अभूतपूर्व था।

> "भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म उस अवधि में हुआ, जब भारत में साम्राज्यवाद विरोध संघर्ष ने जुझारू आयाम ग्रहण कर लिया था"

गुरु गोविंद सिंह के 4 साहबज़ादो एव महाराजा सूरजमल के बलिदान से हिन्दुत्व का कोई लेना देना नहीं

आलेख नेपाल सिंह सहरावत

वर्तमान परिवेश में धार्मिक पाखंड के घोड़े पर सवार कुछ लोग राजनीतिक सत्ता के लिए आज के दिन को गुरु गोविंद सिंह जी के साहेबज़ादो का हिंदू धर्म की रक्षा के लिए और महाराजा सूरजमल को हिंदू हृदय सम्राट का बलिदान के रूप में अधकचरे ज्ञान का रायता फैलाते मनाते है। जबकि सच इसका बिल्कुल उलट है और दोनों ही बलिदान मानवता की रक्षा और हैवानियत के ख़िलाफ़ व राज्य विस्तार (सूरजमल जी) के लिए थे । पहला झूठ- गुरु गोविंद सिंह जी ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए लड़ाइयाँ लड़ी । ये सबसे बड़ा झूठ है क्योंकि गुरु गोविंद सिंह जी ने 1. मुग़ल राजा के जुल्म के ख़िलाफ़ लड़ाई लड़ी जिसमें हिमाचल के राजपूतो मुग़लों का बराबर साथ दे रहे थे। इसलिए ये लड़ाई किसी धर्म की रक्षा के लिए नहीं थी । 2. 14 युद्धों में से 11 युद्ध तो पहाड़ी हिंदू राजपूत राजाओ और मुग़लों, ख़ासकर औरंगज़ेब की संयुक्त सेनाओं के ख़िलाफ़ थे। आनन्दपुर साहिब और चमकौर साहिब के युद्ध प्रमुख थे जहां चमकौर युद्ध में गुरुजी के 2 बड़े साहबज़ाददो की शहादत हुई । दूसरा झूठ- जो लोग धार्मिक पाखंडियों के राजनीतिक सत्ता के इशारे पर महाराजा सूरजमल को हिन्दू हृदय सम्राट लिख रहे है, इनको महाराजा सूरजमल के बारे में भी नहीं पता है और महज़ राजनीतिक षड्यंत्र का शिकार होकर उनके बाड़े की भेड़ बने हुए है । जब पेशवाओं ने पानीपत की लड़ाई लड़ी तो महाराजा सूरजमल को नीचा दिखाने के लिए पेशवाओं ने उन्हें उल्टा सीधा बोला , जिसके कारण सूरजमल ने पेशवाओं का साथ नहीं दिया। फिर महाराजा सूरजमल हिंदू सम्राट कैसे हुए । अति जोश में होश गंवाने के बाद परिणामस्वरूप पेशवा युद्ध में अब्दाली से न केवल बुरी तरह हारे बल्कि कटे फटे और लूटे पिटे पेशवाओ और उनकी औरतों/बच्चों को महाराजा सूरजमल ने उस वक्त शरण दी जब राजस्थान के वे राजा अब्दाली के डर से चुप्पी साध गए थे जिनके वंशज आज बड़ी बड़ी डींग मारकर हिंदू हृदय सम्राट बनते फिरते है । महाराजा सूरजमल ने इन कूटे-पीटे पेशवाओं की मरहम पट्टी करवाकर इंसानियत के नाते वापिस पूना तक छोड़ने के लिए अपने सैनिकों को भेजा था जहां इन सैनिकों को सम्मान के तौर पर पेशवाओं ने इनकी शादियाँ करके वही रोक लिया था । पुणे में आज भी जाटो के 22 गाँव है जिसे बाईसी कहते है।

बाद में जब महाराजा सूरजमल ने दिल्ली पर जीत हासिल की तो हिंदू धर्म ठेकेदारों ने ही धोखे से हिडन नदी के तट पर स्नान करते वक्त नजीबुदौला को खबर करके महाराजा सूरजमल की हत्या करवा दी थी। बाद में जवाहर सिंह(महाराजा सूरजमल के पुत्र) ने दिल्ली फ़तह की और जीत की निशानी के तौर पर चित्तौड़गढ़ किले के वे किवाड़ भरतपुर ले गये थे जिनको मुगलों ने चित्तौड़गढ़ के राजपूतों को हराकर दिल्ली लाल किले में लगा दिए थे। इससे साफ़ हो जाता है कि महाराजा सूरजमल हिंदू सम्राट तो बिलकुल भी नहीं थे बल्कि सभी जात-बिरादरी/धर्मों के सम्राट थे। हाँ ये बात सच है कि वे हिंदू धर्म के ठेकेदारों के निशाने पर थे भले ही आज धार्मिक-पूँजीवादी सत्ता कुछ जट्टो को अपने राजनीतिक बाड़े की भेड़ बनाने के लिए महाराजा सूरजमल को हिंदू सम्राट बोलती रहे ।

मेष:- किसी महत्वपूर्ण कार्य में कुछ कठिनाइयों का अभास होगा। संवेदनशील मन पुरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओतप्रोत होगा। पारिवारिक दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा।
बृषभ:- मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी आएगी। भौतिकता से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगी।
मिथुन:- परिजनों एवं मित्रों का सनिध्य मन को प्रसन्न रहेगा। कार्य-पेशे में अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार हैं। मांगलिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य न करें।
कर्क:- कुछ नये संबंध बनेंगे। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव। कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारियों से घिरा मन काल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।
सिंह:- मन खराब विचारों से प्रभावित रहेगा। अतरू उपरोक्त स्वभाव को सुधारें। नई स्थितियों से प्रतिभा का संचार होगा। रोजगार में अपनी कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।
कन्या:- वाणी पर नियंतण्ररखते हुए संबंधों को मधुर बनाने की चेष्टा करें। आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओं के प्रति आशान्वित करेगा। पूर्वत् स्थिति में सुधार एवं आर्थिक लाभ के आसार हैं।
तुला:- आपकी महत्वाकांक्षाए सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाएं मकसद को सफल करेंगी। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाएंगे। परिजनों के दुख-सुख के प्रति चिंतित होंगे।
वृश्चिक:- परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय का पूर्ण उपयोग करें। किसी नयी संवेदना का असर किसी नये रिश्ते को जन्म देगा। मन लक्ष्य के प्रति केंद्रित होने में असमर्थ होगा।
धनु:- परंपराओं एवं संस्कारों के प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव रखना एवं प्रतिशील लोगों से ईष्याभाव रखना ठीक नहीं है। किसी अचल सम्पति के क्रय हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।
मकर:- किसी महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। मिलनसारिता के कारण संबंधों का विस्तार होगा। कमजोर मनोबलवश लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।
कुंभ:- परिवार में खुशीप्रद वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न व्यवसायिक अवरोधों का हल ढूंढने हेतु मन केंद्रित होगा। कोई अच्छा अवसर मन को खुश रखेगा। जीवन साथी के साथ मधुरता रखेगा।
मीन:- प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। ईरीय आस्था हर स्थिति पर विजय प्राप्त करेंगे। स्वास्थ्य में छोटी-मोटी परेशानियां संभव। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

संविधान पर बहस : मोदीशाही की गोयबल्सीय रणनीति

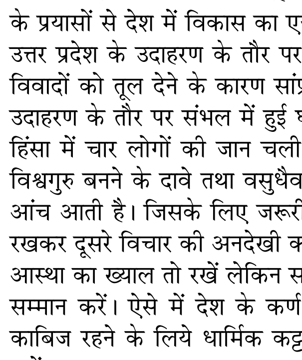

आलेख : राजेंद्र शर्मा

संविधान के 75वें वर्ष के संदर्भ में संसद के दोनों सदनों में हुई बहस में सत्तापक्ष की ओर से सबसे बढ़कर "एक्यूजेशन इन मिरर" की प्रचार रणनीति का ही सहारा लिया जा रहा था। वैसे संघ परिवार के इस रणनीति का सहारा लेने में शायद ही किसी को हैरानी होनी चाहिए, क्योंकि यह रणनीति गोयबल्स की शिक्षाओं तथा उसके अमल पर ही आधारित मानी जाती है। और गोयबल्स तथा उसका आका हिटलर, संघ की मूल प्रेरणाओं में हैं। फिर भी यह बात अतिरिक्त रूप से चिंतित करने वाली जरूर है कि यह रणनीति तो आधुनिक नरसंहारों के विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, नरसंहारकर्ताओं की आम रणनीति रहती आयी है। ऐसी रणनीति का संविधान की महत्ता पर चर्चा के संदर्भ में इस तरह का खुलेआम सहारा लिया जाना, नरसंहार की निकटता के एहसास से बदन में एक सिहरन तो पैदा करता ही है। प्रधानतः इस गोयबल्सीय रणनीति का सहारा लेकर ही मोदी की भाजपा और उसके सहयोगी भी, अपने साढ़े दस साल के राज में संविधान के एक प्रकार से ध्वस्त ही कर दिए जाने और उससे भी बढ़कर अब भी लगातार तथा बढ़ती रफ्तार से ध्वस्त किए जाने की कड़वी सच्चाईयों को, अपने विरोधियों पर ही संविधान को ध्वस्त करने के आरोप लगाने के जरिए छुपाने की कोशिश कर रहे थे। याद रहे कि एक धर्मनिरपेक्ष जनतांत्रिक संविधान को ध्वस्त कर के, उसकी जगह पर एक हिंदू राज के नाम पर सांप्रदायिक तानाशाही को बैठाने की इस परियोजना में, अब भी कोई पक्की रुकावट नहीं आयी है। यह तब है, जबकि इसी वर्ष हुए आम चुनाव में, संविधान को बदलने के उनके इरादों पर विपक्ष के सुगठित प्रहार ने, न सिर्फ उन्हें चुनाव में बचाव पर पड़ने के लिए मजबूर कर दिया था, बल्कि मोदी की भाजपा और उसके नेतृत्ववाले गठजोड़ को, चार सौ पार के उसके मंसूबों और उसके आधार पर संविधान बदलने के इरादों से काफी सुरक्षित दूरी पर ही, रोक दिया था। हैरानी की बात नहीं है कि आम चुनाव के समय से ही और खासतौर पर चुनाव नतीजे आने के बाद से, पूरी संघी बिरादरी इसका रक्षात्मक प्रचार करने में लगी हुई थी कि उसके संविधान को बदलने के इरादों के, अपने "झूठे नैरेटिव" के जरिए ही उसके विरोधी, आम चुनाव में अपनी ताकत काफी बढ़ाने में कामयाब रहे थे। पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में विधानसभाई चुनाव में अपनी संदिग्ध, किंतु स्पष्ट जीत के बाद से तो उनके इस प्रचार में एक नयी और बढ़ती हुई आक्रामकता भी दिखाई देने लगी है। एक प्रकार से बड़े झीने से पर्दे के पीछे से उन्होंने इसका दावा ही शुरू कर दिया है कि आम चुनाव में जनता बहक गयी थी और अब उसने तेजी से अपनी गलती सुधारनी शुरू कर दी है! बहरहाल, 'एक्यूजेशन इन मिरर' की रणनीति का सहारा लेकर, इस मिथ्या प्रचार को एक नयी ऊंचाई पर ले जाने की कोशिश की जा रही है, जहां वे संविधान को घाव भी देते रहेंगे और उसी समय इसका शोर भी मचा रहे होंगे कि विपक्ष से ही संविधान को खतरा है। इस मुहिम के लगातार जारी होने का सबूत तब मिल गया, जब राज्यसभा में जिस समय संविधान के 75 वर्ष पर बहस का, मोदी राज में अपनी नंबर दो की हैसियत का और खुला एलान करते हुए, गृहमंत्री अमित शाह जवाब दे रहे थे, ठीक उसी समय लोकसभा में मोदीशाही द्वारा तथाकथित "एक देश, एक चुनाव" के अपने नारे को लागू करने के लिए, दो-दो विधेयक पेश किए जा रहे थे। यह पूरा प्रोजैक्ट किस तरह भारत के पूरे संघीय ढांचे को ही उलट-पुलट कर देने वाला है और इसके साथ ही साथ हमारी संसदीय जनतांत्रिक व्यवस्था को गंभीरता से भीतर से खोखला कर देने वाला है, इसके विस्तार में हम यहां नहीं जाएंगे। इसी प्रकार, हम यहां इसके विस्तार में भी नहीं जाएंगे कि किस तरह इस नारे को एक अलोकतांत्रिक हठ के साथ, देश पर इसके बावजूद थोपने की कोशिश की जा रही है कि देश का बहुमत अगर इसके खिलाफ नहीं भी माना जाए तो, कम से कम इस सवाल पर साफ तौर पर और दो लगभग बराबर के हिस्सों में बंटा हुआ तो जरूर है। इस विभाजन का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि लोकसभा में इन विधेयकों को पेश किए जाने के प्रस्ताव पर हुए मत विभाजन में बेशक 263 वोट के साथ उक्त प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया, लेकिन इस प्रस्ताव के खिलाफ भी पूरे 198 वोट पड़े थे। प्रसंगवश यह और जोड़ दें कि खुद सत्ताधारी पार्टी के 20 से ज्यादा सांसदों ने, व्हिप जारी होने के बावजूद, इस विभाजन के समय गायब रहना ही बेहतर समझा था, जिसके लिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक नोटिस जारी किए जाने की खबरें हैं। यह भी याद रहे कि उक्त विधेयकों में संविधान संशोधन के प्रस्ताव भी शामिल हैं, जिनके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत की न्यूनतम शर्त है। लेकिन, लोकसभा में जिन कुल 461 सदस्यों ने वोट किया, उनका दो-तिहाई आंकड़ा 307 होता है। जाहिर है कि इन संशोधनों के पक्ष में दो-तिहाई बहुमत दूर-दूर तक नहीं है। वैसे बड़े विडंबनापूर्ण तरीके से यह प्रकरण एक बार फिर चार सौ पार के नारे के मंतव्यों की याद दिला देता है। चार सौ पार का आंकड़ा इसी तरह मनमर्जी से संविधान संशोधन थोपने के लिए ही तो चाहिए था, जिस सचाई को उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान तथा कर्नाटक, देश के अलग-अलग कोनों से भाजपा के राज्य स्तर के बड़े नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान, नासमझी से उजागर कर दिया था। इसे %एक्यूजेशन इन मिरर% का उदाहरण नहीं, तो और क्या कहेंगे कि जिस मोदीशाही ने दोनों सदनों में संविधान पर बहस में, अब तक हुए संविधान संशोधनों की कथित रूप से बड़ी संख्या को इसका सबूत बनाकर पेश करने की कोशिश की थी कि कैसे उसके राज से पहले सत्ता में रहे लोग संविधान से खिलवाड़ ही करते रहे थे, वही लोकसभा में बहस के एक दिन बाद ही, संविधान में संशोधन के प्रस्ताव ले आयी। याद रहे कि इस सिलसिले में मोदीशाही ने अर्ध-सत्य का सहारा लेते हुए, संविधान के पहले संशोधन के बहाने से, यह कहकर कि यह संशोधन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हरण करने के लिए लाया गया था, जवाहरलाल नेहरू को ही संविधान के साथ खिलवाड़ की जड़ बताने की कोशिश की थी। और नेहरू के मुख्यमंत्रियों के लिए पत्र में यह लिखने को भारी अपराध बनाने की कोशिश की थी कि, 'अगर संविधान आड़े आता है, तो उसमें भी बदलाव किए जा सकते हैं'। लेकिन, खुद अमित शाह द्वारा बहस में पेश किए गए आंकड़े के अनुसार, भाजपा के 16 साल के राज में कुल 22 संविधान संशोधन किए गए हैं, जबकि कांग्रेस के 55 साल के राज में 77 संशोधन किए गए थे। दोनों का सालाना औसत तो लगभग बराबर ही बैठता है। वैसे यह भी दिलचस्प है कि मोदी के लोकसभा के भाषण से भिन्न, राज्यसभा में अमित शाह संविधान में संशोधन की व्यवस्था की मौजूदगी की दलील भी देते नजर आए। बेशक, मोदीशाही इस खोखली दलील से खुद अनेक संविधान संशोधन लाने को सही ठहराने की कोशिश कर रही है कि उसी के संशोधन, संविधान की भावना के अनुरूप थे! लेकिन, सचाई यह है कि उनके संविधान संशोधन, हमारे संविधान की भावना के उलट और सिर्फ संघ के एजेंडे तथा उसके हिंदू राष्ट्र के प्रोजेक्ट के अनुरूप रहे हैं ; यह सीएए कानून और जम्मू-कश्मीर से संबंधित धारा-370 के कुटिल चालबाजी से खात्मे जैसे उनके विभाजनकारी संशोधनों से साफ हो जाता है। इसी सिलसिले की कड़ी के तौर पर अब "एक देश, एक चुनाव" से संबंधित संशोधन लाए जा रहे हैं और अमित शाह की घोषणा के अनुसार, निकट भविष्य में ही "समान नागरिक संहिता" संबंधी संशोधन लाए जाने वाले हैं। वास्तव में समान नागरिक संहिता के मामले में तो उनके इरादे और भी कुटिल लगते हैं। शाह की घोषणा के अनुसार, मोदीशाही इस मामले में फिलहाल राज्यों से ही, और जाहिर है कि भाजपा-शासित राज्यों से ही, तथाकथित समान नागरिक संहिता कानून बनवाने का रास्ता अपनाने जा रही है। आरक्षण का मुद्दा एक और ऐसा मुद्दा है, जिस पर मोदीशाही ने %एक्यूजेशन इन मिरर% रणनीति का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया है। और यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि धर्मनिरपेक्षता तथा संघवाद के बाद इसी मामले में उसकी नीयत सबसे ज्यादा संदेह के घेरे में है और संविधान बदलने की संघ परिवार में शीर्ष तक से समय-समय पर उठती रही पुकारों के पीछे आरक्षण छीनना एक प्रमुख एजेंडा रहा है। इसकी सीधी-सी वजह यह है कि संघ-भाजपा का मनुवादी विचारधारात्मक आधार इतना हाल-हाल तक लिखत-पढ़त में बना रहा है कि, न उसे छुपाना संभव है और न उनके लिए उसके खिलाफ जाना संभव है। यह कोई संयोग ही नहीं है कि आरक्षण के मामले में मोदीशाही ने जो इकलौती उल्लेखनीय पहल की है, सवर्णों के लिए 10 फीसद आरक्षण की पहल है, जो न सिर्फ आरक्षण के विचार के ही सिर के बल खड़ा कर दिए जाने को दिखाती है, बल्कि सत्ताधारियों की विचारधारा पर ब्राह्मणवादी प्रभाव को भी दिखाती है। जहां तक पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण का प्रश्न है, खुद प्रधानमंत्री समेत संघ-भाजपा के अटपटे तथा वास्तव में सरासर झूठे दावों के बावजूद, विश्वनाथ प्रसाद सिंह की सरकार द्वारा मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू किए जाने के बाद, उसके खिलाफ अगड़ी जातियों की उग्र लामबंदी में भाजपा समेत संघ परिवार की अग्रणी भूमिका का इतिहास इतना हाल का और ताजा है कि उसे फिर से याद दिलाने की शायद ही जरूरत होगी। और जाति जनगणना का मोदीशाही का विरोध तो और भी हाल का है। यह भी दिलचस्प है कि अमित शाह ने आरक्षण की 50 फीसद की सीमा को इस बहस में भी यह कहकर उचित ठहराने की कोशिश की है कि इस सीमा को हटाने की मांग अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने के लिए ही हो रही है, जबकि संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की इजाजत नहीं देता है। विडंबना यह है कि आर्थिक रूप से वंचितों के आरक्षण को सिर्फ हिंदू सवर्णों तक सीमित करने के जरिए, इस दावे से ठीक उल्टा अमल किया जा रहा है यानी न सिर्फ हिंदू धर्म, बल्कि सवर्ण जातियों तक सीमित आरक्षण लागू किया जा रहा है। लेकिन, यही तो %एक्यूजेशन इन मिरर% का कमाल है, दूसरों पर धर्म के आधार पर आरक्षण देने का आरोप लगा रहे हैं, क्योंकि उन्हें खुद वही करना है। चलते-चलते : अमित शाह की डॉ. अम्बेडकर के प्रति तिरस्कारपूर्ण टिप्पणी ने %एक्यूजेशन इन मिरर% की संघ की रणनीति पर से पर्दा ही सरका दिया है और उनका हमारे संविधान के जनतांत्रिक, राजनीतिक, सामाजिक व नैतिक सार से बुनियादी विरोध अम्बेडकर के प्रति उनकी चिढ़ के रूप में सामने आ गया है। लेकिन, उस आरएसएस के अमित शाह जैसे स्वयंसेवकों से और उम्मीद भी क्या की जा सकती है, जिन्होंने आंबेडकर द्वारा सामाजिक-राजनीतिक, और जाहिर है कि धार्मिक भी, बराबरी पर आधारित संविधान के संविधान सभा में प्रावधान किए जाने का, न सिर्फ उसे हिंदू धार्मिक मान्यताओं में दखलंदाजी बताकर सभी संभव उपायों से विरोध किया था, इस पर उग्र हमला भी किया था कि एक दलित, मनुस्मृति को खारिज करने वाला संविधान बनवाने के जरिए, 'भगवान मनु की बराबरी' करने की कोशिश कर रहा था। संविधान के स्वीकृत होने के पचहत्तर साल बाद भी जो लोग सवर्ण के सामने दलित का कुर्सी पर बैठना या सवर्णों की तरह दलित दूल्हे का घोड़ी पर चढ़ना बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं, यह कैसे हजम कर सकते हैं कि अम्बेडकर के नाम की उस तरह बार-बार दुहाई दी जाए, जैसे वे देवी-देवताओं के नाम का जाप करते हैं!

जिला कांग्रेस कमेटी कानपुर देहात के तत्वाधान में बाबा साहब आंबेडकर सम्मान मार्च का हुआ आयोजन

कानपुर देहात। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी कानपुर देहात के तत्वाधान में बाबा साहब आंबेडकर सम्मान मार्च ग्राम सीधामऊ में आंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सीधामऊ से जिला मुख्यालय तक पैदल किया गया केंद्रीय मंत्री अमित शाह के अपमान जनक बयान पर रोष व्यक्त करते हुए आंबेडकर वादियों ने अमित शाह के इस्तीफ़े व माफी की मांग की।

जिलाध्यक्ष नरेश कटियार ने मार्च को संबोधित करते हुए कहा कि नारी समाज को समानता का शिक्षा का अधिकार, व मताधिकार का अधिकार देते हुए संपूर्ण भारत को जाति, लिंग, भेद भाव के आधार पर सभी को समानता का अधिकार देते हुए भारत को विश्व पटल पर स्थापित किया गृहमंत्री के बयान को भारत माफ नहीं करेगा अंत में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला पुलिस अधीक्षक कानपुर देहात को ज्ञापन सौंपा इस अवसर पर पीसीसी सदस्य समीम कुरैशी, रोहित कटियार, सगीर अहमद, बसंत लाल, डीपी राठौर, सुरेन्द्र कटियार, राम अवतार दीक्षित, राजेंद्र सचान, मो कलाम, रामसिंह राजपूत, बृजेन्द्र स्वरुप कटियार, अनिल कटियार, धीरेंद्र भदौरिया, रिशु गौतम, यदुराज सिंह यादव, रामबाबू कटियार, अहमद रज़ा, यश कटियार लालू, मो शकूर, राजेश उर्फ राजकुमार गौतम, मन्नालाल वर्मा आदि लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।

नौकरी के नाम पर लाखों रुपये ठगे जाने का युवक ने लगाया आरोप

कानपुर देहात। थाना क्षेत्र निवासी ग्रामीण ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायती प्रार्थना पत्र देते हुए नौकरी के नाम पर रुपए ठगने का आरोप लगाते हुए जांच कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। दरअसल मामला है कानपुर देहात के रूरा थाना क्षेत्र के फतेहपुर कुड़रा निवासी मोहित यादव के द्वारा आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायती प्रार्थना पत्र देते हुए बताया गया कि गांव के ही ललित यादव के द्वारा नौकरी के नाम पर रुपए लिए जाने और नौकरी न मिलने पर रुपए वापस मांगने पर गंभीर धाराओं में फर्जी मुकदमे में फसाने की धमकी दिए जाने का आरोप लगाते हुए जांच कर कार्रवाई के जाने की मांग की है।

रंजिशन मारपीट में चार पर केस

लालगंज, प्रतापगढ़। पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुर थाना क्षेत्र के पूरे उपाई राजापुर गांव निवासी श्रवण कुमार यादव पुत्र रामसुख यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर चौदह दिसंबर की शाम करीब पांच बजे ददहा मुबारकपुर गांव निवासी कासिम पुत्र कल्लू, फिरोज व राजा पुत्रगण अकबर तथा शहजादा एकराय होकर गालीगलौज करते हुए पीड़ित के भाई को मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने उसकी बाइक भी तोड दी। एसओ राधेबाबू का कहना है कि जांच के बाद चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

हर्षोउल्लास से झरिया में मनाई गई महाराजा अहिवरण जी की जयंती

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

झरिया/धनबाद। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी झरिया बरनवाल युवा मंच के द्वारा अपने आदि पुरुष महाराजा अहिवरण जी की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाया गया सर्वप्रथम कोयरी बांध स्थित बरनवाल सेवा सदन में प्रातः 10:00 बजे हवन सह पूजन कार्यक्रम एवं महाराजा अहिवरण जी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। संध्या 06:30 बजे से लोहाना समाज भवन (राज पैलेस) बलियापुर स्टैंड में मिलन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर शुरू हुई। इस दीप प्रज्वलित कार्यक्रम में बरनवाल युवा मंच झरिया के संरक्षक सोनू बरनवाल सुनील बरनवाल अशोक प्रसाद बरनवाल बरनवाल युवा मंच के अध्यक्ष राजेश बरनवाल, अजय बरनवाल, राजकुमार बरनवाल मंटू, निक्कू बरनवाल, संदीप बरनवाल, अजीत बरनवाल, उदय बरनवाल, डब्लू बरनवाल, दीपू बरनवाल, अरुण बरनवाल, बबलू बरनवाल, सहित दर्जनों सक्रिय सदस्य मुख्य रूप से सकिर्य थे वहीं माहिलाओं व बच्चे सर्वाधिक संख्या में शामिल हुए। दीप प्रज्वलित के बाद संगीता बरनवाल की टीम के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ इसमें संगीत नृत्य समाज के उत्थान हेतु संबोधन शिक्षा में प्रोत्साहन व सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर भागीदारी पर बल दिया गया और सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर मुख्य अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से बरनवाल परिवार के सैकड़ो महिला - पुरुष व बच्चे उपस्थित थे।

पांचवीं व आठवीं में अनुत्तीर्ण छात्रों को अगली कक्षा में नहीं मिलेगा प्रवेश

- केंद्र सरकार ने बदली आठवीं तक फेल नहीं करने की नीति
- असफल छात्रों को मिलेगा पास होने का एक मौका
- पुनः परीक्षा में भी फेल रहने पर छात्र को उसी कक्षा में करनी होगी पढ़ाई

कानपुर देहात। केंद्र सरकार ने पांचवीं और आठवीं कक्षा के छात्रों को फेल न करने की नीति को खत्म कर दिया है। नियमित परीक्षा में असफल रहने वाले बच्चों को पुनः परीक्षा का अवसर दिया जाएगा। दोबारा भी असफल रहने पर छात्र को 5वीं या 8वीं कक्षा में ही फिर से पढ़ाई करनी होगी हालांकि असफल छात्रों को स्कूल से निकाला नहीं जायेगा। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) के तहत शिक्षा का अधिकार कानून में फेल न करने की नीति में संशोधन किया है। स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए नियमों में बदलाव किया गया है। नए फैसले से केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय और सैनिक स्कूल समेत केंद्र सरकार के स्कूलों में 5वीं या 8वीं कक्षा में असफल छात्र अब प्रोन्नत नहीं किए जायेंगे बल्कि फेल घोषित किए जाएंगे। केंद्रीय शिक्षा सचिव संजय कुमार ने बताया कि 5वीं और 8वीं कक्षा में फेल छात्र की दो महीने के बाद दोबारा तैयारी के साथ परीक्षा ली जाएगी यदि फिर भी प्रदर्शन कमजोर रहता है तो उसे उसी कक्षा में रोका जाएगा। इस दौरान शिक्षक बाकायदा अभिभावकों के साथ मिलकर काउंसलिंग करेंगे ताकि छात्र की कमियों को दूर किया जा सके। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने वर्ष 2009 में निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम बनाया था जिसमें आठवीं तक बच्चों को फेल करने पर रोक लगा दी गई। वर्ष 2010 में इसे पूरे देश में लागू कर दिया गया। प्रारंभिक शिक्षा के दौरान किसी भी छात्र को अनुत्तीर्ण नहीं करने के नियम के चलते पढाई की गुणवत्ता में काफी गिरावट आई इसलिए केंद्र सरकार ने 15 साल बाद फिर नियमों में बदलाव करते हुए पांचवीं व आठवीं में प्रदर्शन के आधार पर अगली कक्षा में भेजने का नियम बनाया है।

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने सभासद प्रदीप गुप्ता से की मुलाकात

सीतापुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव द्वारा सीतापुर जिले का दौरा किया गया इस अवसर पर उनके द्वारा भाजपा सभासद व उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता के घर पर जाकर उनसे मुलाकात की गई इस अवसर पर प्रदीप कुमार गुप्ता द्वारा उन्हें पुष्प माला तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

कानपुर देहात। कोतवाली क्षेत्र के रामपुर गजरा गांव में एक मानसिक बीमार व्यक्ति ने मंगलवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के बाहर खड़े नीम के पेड़ से मफलर व अंगौछा के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों के बीच हाहाकार मच गया। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।कोतवाली क्षेत्र के गजरा रामपुर गांव निवासी पवन तिवारी पुत्र प्रमोद तिवारी काफी समय से मानसिक तनाव में था। मानसिक रूप से बीमार होने के कारण वह अक्सर परेशान रहता था। मृतक के भाई अनुभव कुमार तिवारी पुत्र प्रमोद तिवारी ने पुलिस को जानकारी देते हुए बताया कि उसका 29 वर्षीय भाई पवन तिवारी पुत्र प्रमोद तिवारी काफी समय से मानसिक रूप से बीमार चल रहा था। मानसिक तनाव के चलते मंगलवार की सुबह उसने गांव के पास पचगवां पुल के करीब खड़े नीम के पेड़ से मफलर व अंगौछा के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। युवक की मौत की जानकारी मिलते ही उसके परिवार वालों के बीच मातम छा गया मृतक की मां एवं पत्नी पूनम तथा पुत्रियों नमो वैष्णवी का रो-रो कर बुरा हाल था। उप निरीक्षक शिवेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि घटना की सूचना दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

गांधी जी के विचारों पर चल कर ही इंडिया का सपना पूरा होगा : सीता राणा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। सिटी सेंटर स्थित महात्मा गांधी जी के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर महात्मा गांधी जी के कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष बनने के शताब्दी वर्ष पर कार्यक्रम का आयोजन धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष संतोष सिंह के अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष आदरणीय राजीव रंजन प्रसाद उपस्थित हुए। कार्यक्रम में निवर्तमान महिला कांग्रेस कमिटी की जिलाध्यक्ष सीता राणा अपने सदस्यों के साथ शामिल हुई। मौके पर अपने संबोधन में सीता राणा ने कहा कि महात्मा गांधी जी के विचारों पर चल कर ही इंडिया का सपना पूरा हो सकता है। विश्व में शांति स्थापित हो सकता है। आज पूरे विश्व में युद्ध के बारूदी गंध और अनाथ बच्चों विधवा महिलाओं की चीख सुनाई दे रही है। नफरत फैला कर सत्ता कब्जा किया जा रहा है। समाज में ऐसा माहौल बनाया जा रहा है जिसमें पड़ोसी-पड़ोसी से नफरत करने लगे और कुछ लोग सत्ता का सुख भोग सके। ऐसी विषम परिस्थितियों में महात्मा गांधी जी के अहिंसा के विचार ही मानव जाति को सुरक्षा प्रेम शांति सौहार्द प्रदान कर सकती है। आज जरूरत है कि हम महात्मा गांधी जी के विचारों सिद्धांतों पर चलें और देश के विकास के लिए कार्य करें। मौके पर रूबी खातून, पूनम देवी, महजबी परवीन, गीता सिंह, निशा सिंह, कविता देवी, सबीना खातून, ऊषा यादव, अजमेरी खातून, जुली सिंह, मुस्कान सिंह आदि शामिल थी।

आंशिक रूप से बनी बाउंड्रीबाल की शिकायत मिलने पर तहसील प्रशासन ने मौके पर जाकर काम कराया बंद

रसूलाबाद कानपुर देहात। पहाड़ीपुर में आम रास्ते पर आंशिक रूप से बाउंड्रीबाल बना दी गई। जिसकी शिकायत तहसील प्रशासन से की गई तो बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य रुकवाया गया। वहीं आम रास्ता और अवरुद्ध होने से ग्रामीणों में काफी नाराजगी है। रसूलाबाद तहसील क्षेत्र के अंतर्गत पहाड़ीपुर कानपुर मार्ग पर स्थित एक गेस्ट हाउस के समीप गाटा संख्या 202 रखवा 0.895 हेक्टेयर आम रास्ता (21 फिट 15 इंच)के नाम पर दर्ज है मौके पर रमेश यादव पुत्र रामकृष्ण द्वारा रास्ते से लगी हुई गाटा संख्या 412 रखवा 0.215 हेक्टेयर भूमि पर बाउंड्रीवॉल का निर्माण करते समय रास्ते की गाटा संख्या के आंशिक भाग पर भी बाउंड्रीवाल बना ली गई।स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी शिकायत तहसील प्रशासन से की। शिकायतकर्ता लल्लन सिंह पुत्र राजाराम निवासी पहाड़ीपुर ने बताया कि उपरोक्त जमीन के आसपास जिला पंचायत की भी जमीन है। जिस पर भी निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने उपजिलाधिकारी से मामले में न्याय करने की बात कही। वहीं मौके पर लेखपाल को भेजकर जांच करवाई गई तो बाउंड्रीवॉल आम रास्ते पर बन रही थी जिसे रुकवाया गया और हिदायत दी गई कि पुनः यदि निर्माण हुआ तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

प्रमोद व मोना ने दी क्रिसमस डे की शुभकामनाएं

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना तथा राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने क्रिसमस डे पर ईसाई धर्म के अनुयायियों को शुभकामनाएं दी है। नेताद्वय ने कहा है कि ईसाई धर्म के संस्थापक प्रभु यीशु (ईसा मसीह) के जन्मदिन पर हमें नेकी के साथ तरक्की के रास्ते पर बढ़ने की प्रेरणा मिला करती है।

कल्याण सेवा समिति द्वारा 150 गरीब, असहाय वृद्ध महिलाओं व बुजुर्गों को दिए गए कंबल

राजपुर कानपुर देहात। जनपद में समाज सेवा के लिए बहुत से संस्थान कड़ाके की ठंड को लेकर गरीबों की मदद कर रहे हैं तो वहीं एक उम्मीद कल्याण सेवा समिति राष्ट्रीय सचिव दीक्षा यादव के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष डॉ सीता यादव ने अमरौधा विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत बील्हापुर में ग्राम प्रधान मुसर्रत अली की मौजूदगी में 150 गरीब असहाय वृद्ध महिलाओं एवं बुजुर्गों को गरम कंबल वितरित किए। इसके साथ ही उन्होंने ब्लॉक क्षेत्र के मदनूपुर, नगीना प्रधान संजय निषाद की मौजूदगी में कंबल वितरित किए इसके साथ ही मुसानगर में 350 लोगों को कंबल वितरित किए। डाक्टर सीता यादव ने बताया कि जनपद में अलग-अलग क्षेत्र में एक उम्मीद कल्याण सेवा समिति लगातार गरीबों की मदद करने के लिए तात्पर्य है इसके साथ ही उन्होंने बताया कि जिन गांवों में गरीब परिवार के लोगों को बच्चे शिक्षा नहीं मिल रही है उन्हें प्राइवेट स्कूल में दाखिला कराकर पढ़ाई का खर्च स्वयं लेने का निर्णय लिया है इसके साथ ही बीते दिनों पहले एक उम्मीद कल्याण सेवा समिति की राष्ट्रीय सचिव दीक्षा यादव ने अपने शादी विवाह कार्यक्रम में 11 बच्चों को गोद लेकर उनकी शिक्षा का खर्च की जिम्मेदारी ली और उन्हें अच्छी सी अच्छी शिक्षा दिलाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि गरीबों की मदद करने से आत्मा को अलग ही खुशी मिलती है। इस दौरान उन्होंने गांव में जाकर बच्चों को स्टेशनरी के साथ कॉपी किताबें भी वितरित की। दीक्षा यादव अपनी टीम के साथ तथा डॉक्टर सीता यादव भी अपनी टीम के साथ अलग-अलग क्षेत्र में रात के अंधेरे में निकल कर सड़क के किनारे या राह चलते सर्दी से ठिठुरते हुए लोगों को कंबल देने का काम कर रही है। इस दौरान मोहित कुमार, पंकज, आयुष, सुमित, सतीश, डॉक्टर मुवीन के अलावा अन्य ग्राम प्रधान व समाजसेवी मौजूद रहे।

वीर बाल दिवस के रूप मनाया गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों का बलिदान दिवस

बांदा, (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी के माध्यम से जहां सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह के दो मासूम पुत्रों जोरावर सिंह और फतेहबहादुर सिंह के बलिदान को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया गया, वहीं उनकी कुर्बानी को याद किया गया। भाजपाइयों ने गुरु गोविंद सिंह के वीर सपूतों ने महज छोटी सी उम्र में अपने धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दे दिया, जिसे देश के लोग कभी भूल नहीं सकते। मंगलवार को भाजपा कार्यालय में सिख गुरु गोविंद सिंह के दो मासूम पुत्रों के बलिदान को याद करते हुए वीर बाल दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष डा.धर्मेंद्र त्रिपाठी ने चमकौर की लड़ाई का जिक्र करते हुए बताया कि जानी खान ने गुरु गोविंद सिंह के दो मासूम पुत्रों फतेहसिंह और जोरावर सिंह को उनकी दादी के साथ बंदी बना लिया था, उस समय दोनों बच्चों की उम्र महज 5 वर्ष व 8 वर्ष की थी।

डीएम ने किया लोक निर्माण विभाग की बड़ी परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह ने लोक निर्माण विभाग द्वारा 05 करोड़ से ऊपर की परि योजनाओं में से 02 बड़ी परि योजनाओं बढ़ौली मुंगीसपुर मार्ग व चाँदपुर मलासा मार्ग का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा सड़क मार्ग की मोटाई, चौड़ाई, गुणवत्ता आदि का जायजा लिया गया।जिसमें उन्होंने मौके पर गड्ढा खुदवा कर गुणवत्ता को भी जांचा, गुणवत्ता सही पाई गई। जिलाधिकारी ने कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही सड़कों में मानक, गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए साथ ही परि योजनाओं को निर्धारित समय अवधि में पूरा किया जाए, जिससे आमजन को बेहतर आधारभूत संरचना का लाभ मिल सके।निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग व जांच टीम उपस्थित थी।

रोजगार मेले में 278 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

मैथा कानपुर देहात। रामजानकी महाविद्यालय बैरी असई मैथा में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जिसमें निजी क्षेत्र की 19 कंपनियों ने रोजगार के अवसर प्रदान किए। रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी ने सहभागिता की। रोजगार मेले में स्वास्थ्य विभाग, श्रम विभाग/ खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा कैम्प लगाया गया। रोजगार मेले लगभग 450 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसमे 278 प्राथमिक अभ्यर्थियों का चयन किया गया। मंत्री प्रतिभा शुक्ला व पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी ने 278 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण किए। मेले में नियुक्ति पत्र पाकर युवाओं ने भारत माता की जय के नारे लगाए। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं को रोजगार/स्वरोजगार पाने का यह अवसर है।इस अवसर का लाभ प्रत्येक युवा को आगे बढ़कर उठाना चाहिए। अपने कौशल एवं योग्यता अनुसार नौकरी पाने का बेहतर अवसर है। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का प्रत्येक युवा अपनी योग्यता के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पा सके। आज हमारी सरकार तमाम कल्याणकारी योजनाएं चलाकर युवाओं को स्वरोजगार ही नही बल्कि दूसरों को रोजगार देने लायक बना रही है। उन्होंने सभी युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस भी संस्थान में जाएं, वहां तन-मन से सच्ची वफादारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी ने कहा कि युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए हमारी केंद्र व प्रदेश की सरकार कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम कर रही है। युवाओं को आज रोजगार से जुड़ने का स्वर्णिम अवसर प्रदान हो रहा है। इस अवसर पर सहायक निदेशक (सेवा) कानपुर मंडल उज्ज्वल कुमार सिंह, खादी ग्रामोद्योग अधिकारी कानपुर देहात अखिलेश अग्निहोत्री, जिला सेवायोजन अधिकारी शशि तिवारी, सीएचसी प्रभारी मैथा सिद्धार्थ पाठक, कमल शुक्ला, संजय सिंह चंदेल, अंशु त्रिपाठी, भानु प्रताप सिंह, आशीष दीक्षित, हरिप्रकाश तिवारी, धर्मेंद्र कुशवाहा, वतनराज अग्निहोत्री, मनीष सैनी, केशव सिंह, संदेश तिवारी, अखिलेश राठौर, मुकेश राठौर, नितिन कुशवाहा, ब्रजेंद्र द्विवेदी, गुड्डू मिश्रा, शिवा पांडेय सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

विकासखण्ड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

हमीरपुर। मंगलवार को युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग हमीरपुर के द्वारा उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग प्रतियोगिता के अंतर्गत खेल मैदान उमरी विकास खण्ड मुस्करा में विकासखण्ड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान उमरी अभिनय कुमार द्वारा प्रतियोगिता का उद्घाटन फीता काट कर किया गया। जिसमें कबड्डी प्रतियोगिता में बिवांर की टीम विजेता रही बॉलीबाल में उमरी की टीम विजेता रही,100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में बालक वर्ग में सलमान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं बालिका वर्ग में गंगा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया उक्त खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी अजय कुमार वर्मा ने करवाया जिसमें जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष उमेश कुमार कुशवाहा, कबड्डी कोच औकेश एवं नौसाद भी उपस्थित रहे।

डीएम ने किया रैन बसेरों का स्थलीय निरीक्षण

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह द्वारा सीएससी पुखरायां परिसर स्थित रैन बसेरा का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा रैन बसेरा की आवश्यक व्यवस्थाओं स्वच्छ पेयजल, प्रकाश, रजाई आदि का जायजा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिए। जिलाधिकारी द्वारा रैन बसेरे में रुकने वाले लोगों की संख्या व उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में भी संबंधित से आवश्यक जानकारी ली गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि रैन बसेरे में सभी आवश्यक सुविधाएं सतत सुनिश्चित रहे, यहां पर रुकने वाले लोगों का पंजिका में अंकन कराकर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, रुकने वाले लोगों से मधुर व्यवहार किया जाए। जिलाधिकारी द्वारा रैन बसेरे के बाहर सीएससी परिसर में गंदगी पाए जाने व पुराने वाहनों के खड़े होने को लेकर नाराजगी व्यक्त की गई तथा संबंधित को सीएससी परिसर की साफ सफाई कराने, पुराने वाहनों को परिसर से हटाए जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने शीत ऋतु के दृष्टिगत सीएससी परिसर में रिक्त स्थान पर शेड, प्रमुख स्थानों पर अलाव जलाये जाने, पात्र व्यक्तियों को कम्बल वितरित किये जाने संबंधी व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर उपजिलाधिकारी भोगनीपुर सर्वेश कुमार, प्रभारी अधिकारी दैवीय आपदा/ अतिरिक्त मजिस्ट्रेट द्वितीय जीतेन्द्र कटियार, अधिशासी अधिकारी पुखरायां अजय कुमार,एम0ओ0आई0सी0 पुखरायां सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राजमिस्त्री की हत्या में एक नामजद समेत तीन के खिलाफ हत्या का केस

आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर परिजनों ने अंतिम संस्कार से किया इंकार

लालगंज, प्रतापगढ़। दलित राजमिस्त्री की हत्या को लेकर पुलिस ने एक नामजद समेत तीन आरोपियो के खिलाफ हत्या तथा दलित उत्पीड़न समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। वहीं पीएम के बाद मृतक का शव घर पहुंचा तो परिजनों मे फिर कोहराम मच गया दिखा। परिजनों ने हत्यारोपियो की गिरफ्तारी तक मंगलवार को शव का अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया। परिजनों की मांग सुनते ही पुलिस के हाथ पांव फूल उठे। एहतियातन मृतक के घर फोर्स की तैनाती देखी गयी है। लालगंज कोतवाली के हरनाहर निवासी नत्थू सरोज 42 पुत्र रामनाथ सरोज राजमिस्त्री थे। रविवार की रात करीब आठ बजे वह घर से प्रधान प्रतिनिधि से मिलने की बात कहकर निकले। सोमवार

की सुबह सात बजे घर से करीब पांच सौ मीटर दूर नहर किनारे एक खेत में नत्थू का शव रक्तरंजित पाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर सोमवार की देर शाम पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। मंगलवार को शव का पीएम हुआ। शव लेकर मृतक के बेटे घर पहुंचे तो परिजन विलाप करने लगे। राजमिस्त्री की हत्या को लेकर मृतक के बेटे शिवशंकर सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि इक्कीस दिसंबर को साढे सात बजे शाम उसके पिता नत्थू को गांव के हरिशंकर उपाध्याय ने संदेश भेजकर अपने घर बुलवाया। इसके पहले आरोप है कि घटना के दिन बाइस दिसंबर से दो दिन पहले हत्यारोपी हरिशंकर उपाध्याय उसके घर आये और उसके पिता को काम से मनाही को लेकर गालीगलौज करते हुए धमकी दी थी। घटना के दिन देर रात तक उसका पिता जब घर नही पहुंचा तो परिजन हरिशंकर उपाध्याय के यहां गये तो वह मौजूद नही मिला। पीडित ने आशंका जतायी है कि उसके पिता की हरिशंकर उपाध्याय ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर गला काटकर हत्या कर दी। शव को झाडी में आरोपियों के द्वारा छिपाये जाने की भी तहरीर में बात कही गयी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव का कहना है कि तहरीर के आधार पर एक नामजद तथा तीन अज्ञात के खिलाफ हत्या व दलित उत्पीड़न समेत गंभीर धाराओं मे केस दर्ज किया गया है। प्रभारी निरीक्षक के मुताबिक हत्यारोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पूर्व प्रधान के निधन पर किसान संघर्ष मंच की ओर से आयोजित की गई शोक सभा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले के विकास खण्ड हरगांव क्षेत्र अन्तर्गत एक ग्राम पंचायत के लगातार चार बार प्रधान रहे एवं प्रधान संघ के अध्यक्ष रहे पूर्व प्रधान के आकस्मिक निधन पर किसान संघर्ष मंच की ओर से उनके निवास पर पहुंचकर शोक सभा का आयोजन किया गया इस शोकसभा में क्षेत्र के सैकड़ों प्रधान पूर्व प्रधान एवं अन्य राजनीतिक लोग मौजूद रहे। क्योंकि पूर्व प्रधान का राजनीतिक क्षेत्र में काफी दबदबा था। जानकारी के अनुसार जिले के विकास खण्ड हरगांव की ग्राम पंचायत विशुनूपुर से लगातार चार बार प्रधान निर्वाचित हुए एवं प्रधान संघ के अध्यक्ष रहे पूर्व प्रधान नत्था सिंह का बीते दिनों निधन हो गया। उनके निधन का समाचार सुनकर उनके चाहने वालों सहित क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पूर्व प्रधान के निधन का समाचार सुनने के बाद किसान संघर्ष मंच के अध्यक्ष राजेश सिंह तोमर ने उनके निवास स्थान विशुन पुर पहुंचकर शोक सभा का आयोजन किया इस शोक सभा में क्षेत्र के अनेकों लोग उपस्थित रहे। शोकसभा में उपस्थित लोगों ने अपने प्रिय पूर्व प्रधान के

कृतित्व एवं व्यक्तित्व व सामाजिक सेवा के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस शोक सभा में शामिल भारतीय जनता पार्टी के नेता अमरजीत सिंह बाटू ने पूर्व प्रधान को राजनीति का पुरोधा बताते हुए कहा कि उनके निधन से वास्तव में राजनीतिक क्षति हुई है।क्षेत्र की चर्चित ग्राम पंचायत मुद्रासन के पूर्व प्रधान हरिबंश बाजपेई (चचुआ) ने अपना अभिन्न साथी बताते हुए कहा कि यह अपूर्ण क्षति है,जो कभी पूरी नहीं की जा सकती।हम सब मिलकर क्षेत्र के गांव के विकास में अहम भूमिका निभाते थे।पुत्तू लाल ने कहा कि हम क्या कहें मेरा तो दया हाथ ही मेरे शरीर से अलग हो गया और उनके सामाजिक कृतित्व पर प्रकाश डाला। किसान संघर्ष मंच के अध्यक्ष एवं शोकसभा की अध्यक्षता/संचालन कर रहे राजेश सिंह तोमर ने कहा कि जब जब किसान संघर्ष मंच ने किसानों की आवाज उठाने के लिए संघर्ष किया तब तब पूर्व प्रधान स्व0 नत्था सिंह ने आर्थिक सहयोग तो किया ही संघर्ष में भी साथी बने और किसानों के लिए कदम से कदम मिलाया। उनमें एक खासियत यह भी थी कि वह अपनी वाक्पटुता से अपने दुश्मन को भी अपना बना लेते थे उनका हर दल में अच्छा खासा सम्मान होता था और वह सभी के प्रिय थे। राधेश्याम वर्मा ने कहा मेरा कोई भी निजी काम पड़ता तो वह जरूर उसे पूरा करवाते थे।अमरनाथ ने कहा कि वह मुझे बहुत करीब से मानते थे आज जो कुछ भी हूं मैं प्रधान के सहयोग से हूं,डॉ0 कमरूज्जमा ने कहा कि पूर्व प्रधान हर वर्ग के सहयोगी थे दरवाजे पर कोई भी समस्या लेकर आता तो उसका समाधान वह अवश्य करते हम सब की सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब पारिवारिक जन उनके अधूरे कार्य को पूरा करेंगे। रविंद्र सिंह ने कहा पूर्व प्रधान नत्था सिंह व उनके टीम की एक विशेषता यह थी कि वह कभी किसी को धोखा नहीं देते थे।पूर्व प्रधान आज अपने पीछे चार पुत्र,चार पुत्र वधू ,दो पुत्री छः पौत्र,छह पौत्री,दो प्रपौत्र, एक प्रपौत्री सहित सत्ताइस सदस्यों वाला फला फूला परिवार छोड़ कर सतहत्तर वर्ष की आयु में उन्निस दिसंबर को दुनिया को अलविदा कह गए। इस शोक सभा में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने के लिए प्रार्थना करते हुए शोका कुल परिवार को असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस शोक सभा में जगत पाण्डे,शिवपाल वर्मा शमशेर सिंह प्रहलाद सिंह,रमाकांत मिश्रा,शेर सिंह सहित सैकड़ो लोगों ने उपस्थित रहकर शोकाकुल परिवार को ढांढस दिलाया।

शैक्षणिक दूरदर्शिता के साथ समसामयिक विषयों पर होगा प्रान्त अधिवेशन में मंथन– पुष्पेन्द्र बाजपेई

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अवध प्रान्त के आगामी चौसठवें प्रान्त अधिवेशन के निमित्त आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सीतापुर विभाग कार्यालय पर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अवध प्रांत के मंत्री पुष्पेंद्र बाजपेई ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शैक्षणिक दूरदर्शिता के साथ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु परिसर केन्द्रित कार्य करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा विद्यार्थी संगठन है। आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छिहत्तर वर्ष पूर्ण होने के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एक विराट स्वरूप में स्थापित हुआ है। इस वर्ष अवध प्रान्त के चौसठवें प्रान्त अधिवेशन का आयोजन सीतापुर शिक्षण संस्थान, रस्यौरा में उन्तिस से इकतिस दिसम्बर 2024 तक होना सुनिश्चित हुआ है इस कार्यक्रम में अवध प्रांत के छब्बिस जिलों से पन्द्रह सौ प्रतिनिधियों की उपस्थिति रहेगी। इस अधिवेशन में शैक्षणिक व सामाजिक विषयों पर प्रस्ताव के साथ युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने सम्बन्धी विषयों पर प्रस्ताव भी पारित होंगे। जिला सह संयोजक दिव्यांशी गुप्ता ने अधिवेशन की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत 28 दिसम्बर को प्रदर्शनी उद्घाटन के कार्यक्रम से होगी। उन्तिस दिसम्बर को अधिवेशन उदघाटन तीस दिसम्बर को शोभायात्रा एवं खुला अधिवेशन के पश्चात इकतिस दिसम्बर 2024 को समापन सत्र के साथ अधिवेशन समाप्ति की घोषणा होगी । नगर मंत्री अलखकांत श्रीवास्तव ने बताया कि यह सीतापुर के कार्यकर्ताओं का सौभाग्य कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के इतिहास में यह पहली बार है जब सीतापुर जिले में इतनी बड़ी संख्या में प्रांत का अधिवेशन आयोजित हो रहा है सभी कार्यकर्ता उत्साह के साथ प्रतिनिधियों के स्वागत की तैयारी में जुटे हुए हैं।

स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम हेतु किया गया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। छब्बिस दिसम्बर 2024 को आर जी एस मेडिकल कॉलेज लखनऊ के तत्वावधान में जिले के कमलापुर कस्बे के कॉलेज आर बी एस बी सिंह इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य साकिब जमाल अंसारी के निर्देशन एवं विज्ञान शिक्षक जितेन्द्र कुमार सिंह के संयोजन में डॉ0मानवेन्द्र त्रिपाठी जीएनएम सुश्री ज्योति मिश्रा एवं किरण द्वारा कॉलेज में एक स्वास्थ्य परीक्षण कैंप व स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्र छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं सहित शिक्षणेत्तर कर्मियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। अन्त में एक स्वास्थ्य जागरूकता विषयक क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई और चयनित विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार दे कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठतम प्रवक्ता राजेश द्विवेदी व अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे।

इंसानियत सबसे बड़ा मजहब : मुफ्ती अबुल कासिम

आल इण्डिया पयाम ए इंसानियत फोरम के तत्वावधान में महमूदाबाद चौराहे पर किया गया कौमी यकजहती कार्यक्रम

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। भूखे को खाना प्यासे को पानी तथा बीमार को दवाई दिलाना सबाब का कार्य है।इंसानियत बचाये रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जाति धर्म से ऊपर उठकर सोचना होगा।यह बात आल इंडिया पयाम ए इंसानियत फोरम के तत्वावधान में महमूदाबाद चौराहे पर कौमी यकजहती कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुफ्ती अबुल कासिम ने कही। उन्होंने कहा कि हिन्दोस्तान जैसे मुल्क को तरक्की की राह पर ले जाने के लिए हमें एक दूसरे की सेवा खुले मन से करनी होगी।जो पड़ोसी का ध्यान रखता है वही बेहतर इंसान है।कोई मजहब,कोई पहचान हो लेकिन व्यक्ति की आत्मा से इंसान होना चाहिए।मो. फारूख ने ऐसे ज्यादा से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर बल दिया। कार्यक्रम में कवि नवनीत मिश्र 'नवल' ने राष्ट्रीय एकता पर कई उल्लेखनीय कविताएँ और मुक्तक पढ़े। सैयद ख़ालिक अहमद ने कहा कि दुनिया में तमाम मजहब और अक़ीदे हैं मगर इंसानियत से बड़ा कोई मजहब नहीं है।शाफाक अलवी ने इंसानियत की ख़िदमत को सबसे बड़ा बताते हुए कहा कि हमें गरीबों और मजलूमों की बेहतरी के लिए काम करना चाहिए। मोहल्ला प्रेमनगर के सभासद प्रतिनिधि वकील हाशमी ने ऐसे कार्यक्रमों की ज़रूरत पर बल देते हुए कहा कि इस तरह ग़रीबों और मजलूमों की मदद करके ही हम नबी के रास्ते पर चल सकते हैं। इस मौके पर सेक्युलर भाव से कार्य करने वाले छः सामाजिक कार्यकर्ता अनुराग आग्नेय,हाजी इकराम,मोहम्मद सूफ़ियान, नवनीत नवल,शाफाक अलवी,सैयद ख़लीक अहमद व मनोज कुमार गुप्ता आदि को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया तथा एक सौ पचास जरूरतमंद व्यक्तियों को रजाइयां बांटी गई। इस मौके पर उबैद अंसारी शब्बू समर अली,योगेन्द्र सिंह,विमलकान्त मिश्रा, पप्पू खरादी,मो. शाबान आदि उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया गया जागरूक

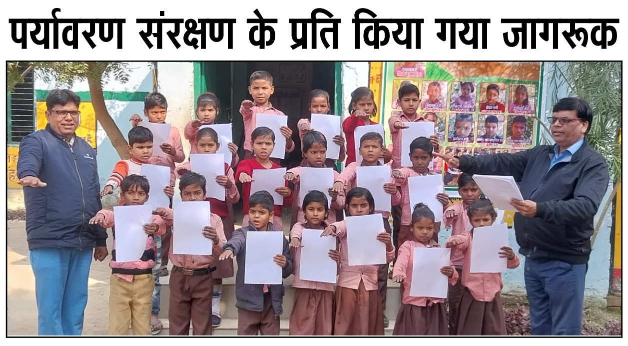

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। बच्चों को प्रारम्भ से ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने हेतु विभागीय निर्देशों के अनुसार जिले की लहरपुर तहसील क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय ईरापुर में ईको फ्रेंडली क्लब के पदाधिकारियों का चुनाव किया गया।जिसमें विभिन्न पदों पर विजयी छात्रों को उनके दायित्व और कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद एआरपी सुरेश कुमार ने विद्यालय इको क्लब के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षकों और छात्रों को सम्बोधित करते हुए एआर पी सुरेश कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है क्योंकि यह हम सब के जीवन से जुड़ा हुआ है।संकुल शिक्षक अनवर अली ने कहा कि बचपन में जो भी आदतें पड़ जाती हैं वह पूरे जीवन भर बनी रहती है इसलिए विभाग द्वारा प्रारम्भिक शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी बच्चों को संवेदनशील बनाने के लिए विद्यालय में इको क्लब का गठन किया गया है। विद्यालय इको क्लब के हुए गठन में शिवकुमार प्रधानमंत्री,शिवानी स्वास्थ्य मंत्री,पूजा देवी शिक्षा मंत्री, यश कुमार खेल मंत्री,नंदनी पर्यावरण मंत्री,कुलदीप संचार व सम्पर्क मंत्री तथा निशा उपस्थिति मंत्री निर्वाचित हुए। इस मौके पर शिक्षक और अभिभावक मौजूद थे।

सुशासन सप्ताह–प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम के तहत जनपद में 70 गांवों में शिविर का किया गया आयोजन

अमेठी। शासन के निर्देश पर प्रत्येक वर्ष 25 दिसंबर को सुशासन दिवस मनाया जाता है इस उपलक्ष में भारत सरकार द्वारा सुशासन सप्ताह–प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम 19 से 24 दिसंबर 2024 तक चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत लोक शिकायतों के निराकरण हेतु तहसील मुख्यालय, ब्लॉक व पंचायत स्तर पर विशेष शिविर का आयोजन किया जाना, भारत सरकार की केंद्रीय लोक शिकायत निवारण प्रणाली में लंबित लोक शिकायतों का निराकरण किया जाना, स्टेट पोर्टल आईजीआरएस में प्राप्त लोक शिकायतों का निस्तारण, ऑनलाइन सर्विस डिलीवरी की सेवाओं में वृद्धि करना, सर्विस डिलीवरी आवेदनों का निस्तारण करना, सुशासन के क्षेत्र में किए गए नवाचारों को फोटोग्राफ के साथ पोर्टल पर अपलोड किया जाना तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जन सामान्य को उपलब्ध कराना आदि कार्यक्रम आयोजित कराएं जा रहे हैं। इसी क्रम में आज 24 दिसंबर को जिलाधिकारी निशा अनंत के निर्देशन व मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल के मार्गदर्शन में जनपद के 70 गांवों में विशेष शिविर का आयोजन किया गया, शिविर में पंचायती राज, राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, विद्युत, कृषि, सिंचाई व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहकर जन सामान्य की शिकायतों का निस्तारण कराया तथा उन्हें शासन द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में पात्र लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित भी कराया गया।

नवागत पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यभार ग्रहण कर पुलिस कार्यालय में की गयी जनसुनवाई

अमेठी। नवागत पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक द्वारा मंगलवार को सुबह कार्यभार ग्रहण कर पुलिस कार्यालय गौरीगंज में जनसुनवाई की गयी। इस दौरान पुलिस कार्यालय में आने वाले फरियादियों की शिकायतों को उन्होंने सुना और उनके समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबन्धित को आवश्यक निर्देश दिए।

जादूगर ने जादू के माध्यम से वित्तीय साक्षरता के लिए लोगों को किया जागरूक

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। राष्ट्रीय एवं ग्रामीण बैंक नाबार्ड के वित्तीय निधि के अन्तर्गत जिला सहकारी बैंक सीतापुर की शाखा लहरपुर के द्वारा साधन सहकारी समिति लिमिटेड शाहपुर पर वित्तीय एवं साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत एक शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जादूगर द्वारा जादू के माध्यम से वित्तीय साक्षरता के लिए लोगों को जागरूक किया गया वित्तीय साक्षरता पर आयोजित प्रश्नोत्तरी में सही उत्तर देने वाले को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अटल पेंशन योजना हर घर केसीसी किसान क्रेडिट कार्ड के बारे में विस्तार से जानकारी उपस्थित किसानों को दी गई। कार्यक्रम में किसानो को सरकार द्वारा उनके लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर शाखा प्रबंधक अंकुर खरे लक्ष्मी नारायण मिश्र तरुण कुमार जिला सहसंयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ भारतीय जनता पार्टी सोनू यादव अध्यक्ष शिवकुमार,अंकिक, वरुण कुमार,रामकुमार मिश्र,केशव राम,बृजेश कुमार,शिवम,अमीनुद्दीन मोटू हवाई सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

थाना कमरौली पुलिस ने लाखों रुपए कीमत के स्मैक के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

मुखबिर की सूचना पर की गई कार्रवाई

अमेठी। जनपद में पुलिस द्वारा नशे के सौदागरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बार फिर थाना कमरौली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।जहां पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शातिर स्मैक तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके पास से 300 ग्राम स्मैक बरामद किया। इस स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 30 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। जहां पुलिस आरोपी तस्कर के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई है। पूरा मामला कमरौली थाना क्षेत्र के कोईलारा रेलवे क्रॉसिंग के पास का है। जहां मंगलवार को दोपहर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि क्रासिंग के पास एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर खड़ा है जो नशे का कारोबार करने वाला शोएब लग रहा है।

मुखबिर से सूचना मिलते ही थाना कमरौली थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार व पुलिस टीम हरकत में आई और पुलिस ने थाना क्षेत्र के कोयलारा रेलवे क्रॉसिंग सिंदूरवा रोड के पास मौके पर पहुंचकर स्मैक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। तस्कर के पास से 300 ग्राम स्मैक बरामद हुई जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 30 लाख रुपए है ।गिरफतार तस्कर की पहचान शोएब अहमद पुत्र तौफीक अहमद निवासी सौना थाना कमरौली के रूप में हुई। थानाध्यक्षा अभिनेष कुमार ने बताया की जानकारी मिल रही थी की शोएब एक शातिर स्मैक तस्कर है और पिछले कई सालों से स्मैक बेचने का कारोबार चला रहा था।पुलिस ने उसके पास से एक मोटरसाइकिल और स्मैक बिक्री से संबंधित हजारों रुपये भी बरामद किए हैं।

होल्डिंग टैक्स बकाएदारों के खिलाफ डोर टू डोर सर्वे

तीसरा विकल्प न्यूज़ – ब्यूरो

धनबाद। चिरकुंडा, चिरकुंडा नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विजय कुमार हांसदा ने होल्डिंग टैक्स बकाएदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया है।उन्होने सभी बकाएदाओं को अपनी पूर्व से लंबित बकाया राशि को शीघ्र ही पूर्णतः जमा कर देने हेतु जांच टीम का गठन किया है। जांच टीम शहर के विभिन्न वार्डों में होल्डिंग बकाएदारों के यहां नगर परिषद की टीम जिसमें नगर प्रबंधक मुकेश निरंजन, नगर प्रबंधक नज़रुल इस्लाम, कनीय अभियंता व सुपरवाइजर सहित अन्य कर्मी के द्वारा डोर टू डोर दौरा किया जा रहा है व सभी बकाएदारों से अपील किया गया है कि सात दिनों के भीतर अपने बकाए होल्डिंग टैक्स नगर परिषद कार्यालय में आकर जमा करें अन्यथा उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

नवागत पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने कार्यभार ग्रहण कर पत्रकारों के साथ किया प्रेस वार्ता

कार्यालय गौरीगंज का भी किया आकस्मिक निरीक्षण

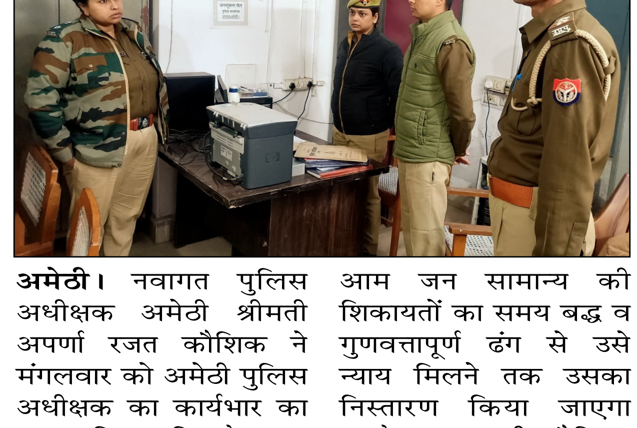

अमेठी। नवागत पुलिस अधीक्षक अमेठी श्रीमती अपर्णा रजत कौशिक ने मंगलवार को अमेठी पुलिस अधीक्षक का कार्यभार का ग्रहण किया जिसके बाद पत्रकारों के साथ प्रेस वार्ता किया और कहा की जनपद में मेरी प्राथमिकता है की अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस पर कार्य किया जाएगा और आम जन सामान्य की शिकायतों का समय बद्ध व गुणवत्तापूर्ण ढंग से उसे न्याय मिलने तक उसका निस्तारण किया जाएगा इसके साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था हो या फिर फरियादियों की समस्याएं हैं उन पर मेरा ध्यान रहेगा और पुलिस विभाग से संबंधित समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा और जनपद में प्रत्येक फरियादी को न्याय मिलेगा। वही प्रेस वार्ता के पश्चात पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कार्यालय गौरीगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया जिसमे प्रधान लिपिक कार्यालय, रिकॉर्ड रूम, मॉनीटरिंग सेल, स्थानीय अभिसूचना इकाई, आंकिक शाखा, विशेष जांच प्रकोष्ठ, रानी लक्ष्मीबाई सेल, जनसूचना सेल, रिट सेल, लोक शिकायत प्रकोष्ठ, डीसीआरबी, सीसीटीएनएस कार्यालय आदि शाखाओं का निरीक्षण कर कार्यालय में लंबित प्रपत्रों/अहकमातो के त्वरित निस्तारण के लिए कार्यालय में नियुक्त अधिकारी/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये।

मलाइका ने बताया कॉलेज में कम अटेंडेंस रहती थी

हमेशा मां के पास कॉल आती थी, पढ़ाई करते टाइम ही काम करना शुरू कर दिया

मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में अपने मॉडलिंग करियर के शुरूआती समय के कुछ किस्से शेयर किए हैं। इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने काफी कम उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था।कम अटेंडेंस की वजह से हमेशा मां को कॉल आते थे– मलाइका बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने कर्ली टेल्स से बातचीत में अपने कॉलेज और मां से जुड़ा किस्सा शेयर किया। उन्होंने कहा– मां को अक्सर मेरी कम अटेंडेंस के कारण कॉलेज से कॉल आते थे। कॉलेज के समय ही काम करना शुरू कर दिया था– मलाइका इस बातचीत के दौरान मलाइका से एक सवाल पूछा गया कि उन्होंने कॉलेज में रहते हुए मॉडलिंग कैसे शुरू की। जिस पर एक्ट्रेस ने जवाब देते हुए कहा– ‘मैंने जय हिंद कॉलेज में दो साल पूरे किए फिर उसके बाद मॉडलिंग शुरू कर दी थी। हालांकि, यह काफी मुश्किल था क्योंकि मेरी मां को कॉलेज से कॉल आने लग गए थे कि मेरी कॉलेज अटेंडेंस कम है। मेरी अटेंडेंस इसलिए कम हो गई थी क्योंकि मैंने कुछ एडवर्टाइजमेंट और कुछ शो में काम करना शुरू कर दिया था। कॉलेज से बार–बार कॉल आने के बाद एक्ट्रेस ने अपनी मां को बताया कि वह काम करना चाहती हैं क्योंकि वह इंडिपेंडेंट रहना चाहती हैं।श् फेम और इंडिपेंडेंसी चाहती थीं एक्ट्रेस इस बातचीत के दौरान एक्ट्रेस से एक और सवाल किया गया कि क्या वो फेम और इंडिपेंडेंसी चाहती थीं। इस सवाल का जवाब देते हुए मलाइका ने कहा– मैं हमेशा से इंडिपेंडेंट होना चाहती थी। मुझे कुछ ऐसा करना थी जिससे मुझे वेल्यू मिले। जहां तक पैसे की बात है, तो पैसा मेरे लिए इतना जरूरी नहीं था। अगर हम काम करते हैं तो पैसा तो मिलता ही है। बड़ी बेटी होने के नाते काम करना चाहती थी– मलाइका एक्ट्रेस ने कहा– मुझे काम इसलिए नहीं करना था कि मुझे अपना घर चलाने की जरूरत थी। लेकिन मुझे लगता था कि इससे मैं मेरी मां की मदद कर सकती हूं। ये एक अच्छा तरीका है क्योंकि मेरी मां सिंगल पैरेंट हैं। ऐसा नहीं है कि मेरी मां ने कभी इसकी उम्मीद की थी, लेकिन मुझे ही लगता था कि बड़ी बेटी होने के नाते यह मेरी रिस्पांसिबिलिटी है। अक्सर मलाइका अपनी मां का जिक्र करती हैं मलाइका अक्सर अपनी मां जॉयस के साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। साल 2022 में ग्राजिया के साथ एक इंटरव्यू में मलाइका ने अपनी मां के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मां को हमेशा एक नए और यूनिक नजरिए से देखा है। मेरा बचपन काफी अच्छा रहा है– मलाइका इस बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा था– मेरा बचपन काफी अच्छा रहा, लेकिन मेरे लिए कुछ भी आसान नहीं था। मैं पीछे मुड़कर देखूं तो मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। लेकिन कठिन समय काफी कुछ सिखाता है। मेरे माता–पिता के अलग होने से मुझे अपनी मां को जानने का काफी मौका मिला। 11 साल की उम्र में हो गया था पैरेंट्स का तलाक बता दें, मलाइका महज 11 साल की थीं जब उनके पैरेंट्स का तलाक हो गया था। उस समय मलाइका की छोटी बहन अमृता अरोड़ा सिर्फ छह साल की थीं। दोनों बहनें अपनी मां जॉयस के साथ ठाणे से चेंबूर चली गईं थी। तलाक के बाद दोनों की परवरिश मां जॉयस ने ही की। मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में अपने मॉडलिंग करियर के शुरूआती समय के कुछ किस्से शेयर किए हैं। इस दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने काफी कम उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था। कम अटेंडेंस की वजह से हमेशा मां को कॉल आते थे– मलाइका बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने कर्ली टेल्स से बातचीत में अपने कॉलेज और मां से जुड़ा किस्सा शेयर किया। उन्होंने कहा– मां को अक्सर मेरी कम अटेंडेंस के कारण कॉलेज से कॉल आते थे। कॉलेज के समय ही काम करना शुरू कर दिया था– मलाइका इस बातचीत के दौरान मलाइका से एक सवाल पूछा गया कि उन्होंने कॉलेज में रहते हुए मॉडलिंग कैसे शुरू की। जिस पर एक्ट्रेस ने जवाब देते हुए कहा– ‘मैंने जय हिंद कॉलेज में दो साल पूरे किए फिर उसके बाद मॉडलिंग शुरू कर दी थी। हालांकि, यह काफी मुश्किल था क्योंकि मेरी मां को कॉलेज से कॉल आने लग गए थे कि मेरी कॉलेज अटेंडेंस कम है। मेरी अटेंडेंस इसलिए कम हो गई थी क्योंकि मैंने कुछ एडवर्टाइजमेंट और कुछ शो में काम करना शुरू कर दिया था। कॉलेज से बार–बार कॉल आने के बाद एक्ट्रेस ने अपनी मां को बताया कि वह काम करना चाहती हैं क्योंकि वह इंडिपेंडेंट रहना चाहती हैं।’ फेम और इंडिपेंडेंसी चाहती थीं एक्ट्रेस इस बातचीत के दौरान एक्ट्रेस से एक और सवाल किया गया कि क्या वो फेम और इंडिपेंडेंसी चाहती थीं। इस सवाल का जवाब देते हुए मलाइका ने कहा– मैं हमेशा से इंडिपेंडेंट होना चाहती थी। मुझे कुछ ऐसा करना थी जिससे मुझे वेल्यू मिले। जहां तक पैसे की बात है, तो पैसा मेरे लिए इतना जरूरी नहीं था। अगर हम काम करते हैं तो पैसा तो मिलता ही है। बड़ी बेटी होने के नाते काम करना चाहती थी– मलाइका एक्ट्रेस ने कहा– मुझे काम इसलिए नहीं करना था कि मुझे अपना घर चलाने की जरूरत थी। लेकिन मुझे लगता था कि इससे मैं मेरी मां की मदद कर सकती हूं। ये एक अच्छा तरीका है क्योंकि मेरी मां सिंगल पैरेंट हैं। ऐसा नहीं है कि मेरी मां ने कभी इसकी उम्मीद की थी, लेकिन मुझे ही लगता था कि बड़ी बेटी होने के नाते यह मेरी रिस्पांसिबिलिटी है। अक्सर मलाइका अपनी मां का जिक्र करती हैं मलाइका अक्सर अपनी मां जॉयस के साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। साल 2022 में ग्राजिया के साथ एक इंटरव्यू में मलाइका ने अपनी मां के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मां को हमेशा एक नए और यूनिक नजरिए से देखा है। मेरा बचपन काफी अच्छा रहा है– मलाइका इस बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा था– मेरा बचपन काफी अच्छा रहा, लेकिन मेरे लिए कुछ भी आसान नहीं था। मैं पीछे मुड़कर देखूं तो मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। लेकिन कठिन समय काफी कुछ सिखाता है। मेरे माता–पिता के अलग होने से मुझे अपनी मां को जानने का काफी मौका मिला। 11 साल की उम्र में हो गया था पैरेंट्स का तलाक बता दें, मलाइका महज 11 साल की थीं जब उनके पैरेंट्स का तलाक हो गया था। उस समय मलाइका की छोटी बहन अमृता अरोड़ा सिर्फ छह साल की थीं। दोनों बहनें अपनी मां जॉयस के साथ ठाणे से चेंबूर चली गईं थी। तलाक के बाद दोनों की परवरिश मां जॉयस ने ही की।मलाइका अरोड़ा ने कॉलेज में रहते हुए ही मॉडलिंग की दुनिया में अपना सफर शुरू किया और आखिरकार ग्लैमर इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई. अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए मलाइका ने हाल ही में खुलासा किया कि कम उम्र में काम करने की उनकी इंस्पिरेशन आजादी हासिल करना था. हालांकि यह रास्ता चुनौतियों से भरा था. कर्ली टेल्स के एक नए एपिसोड में मलाइका ने खुलासा किया कि उनकी मां जॉयस पॉलीकार्प को उनकी कम अटेंडेंस की वजह से उनके कॉलेज से कॉल आते थे. मलाइका ने याद किए पुराने दिन बातचीत के दौरान मलाइका से पूछा गया कि उन्होंने कॉलेज में रहते हुए मॉडलिंग कैसे शुरू की. इस पर उन्होंने जवाब दिया, ष्मैंने असल में जय हिंद में अपने दो साल कॉलेज की पढ़ाई पूरी की फिर मैंने मॉडलिंग शुरू कर दी. यह बहुत मुश्किल हो रहा था क्योंकि मेरी मम्मी को कॉलेज से कॉल आने लग गए थे क्योंकि मेरी कॉलेज अटेंडेंस ठीक नहीं थी.ष् उन्होंने बताया कि उन्होंने कुछ कमर्शियल और कुछ शो करने शुरू किए. इसके बाद उन्होंने अपनी मां को बताया कि वह काम करना चाहती हैं क्योंकि वह इंडिपेंडेंट होना चाहती हैं. इस दौरान मलाइका से पूछा गया कि क्या वह पॉपुलैरिटी या इंडिपेंडेंस की तलाश में हैं. मलाइका ने कहा, ‘मैं इंडिपेंडेंट होना चाहती हूं. मुझे कुछ ऐसा करने की जरूरत थी जिससे मुझे कुछ पैसे मिले. जहां तक पैसे की बात है पैसा आपके किसी भी काम का बायप्रोडक्ट है. मुझे अपना घर चलाने की जरूरत नहीं थी लेकिन मुझे लगा कि यह मेरी मां की मदद करने का एक अच्छा तरीका है क्योंकि वह एक सिंगल मदर थीं. मुझे लगा कि उस हालात में भी मदद करना अच्छा होगा. ऐसा नहीं है कि मेरी मां ने कभी इसकी उम्मीद की थी लेकिन मुझे लगा कि बड़ी बेटी होने के नाते यह मेरा कर्तव्य है.’ मलाइका अक्सर अपनी मां जॉयस के साथ तस्वीरें शेयर करती हैं. 2022 में ग्रेजिया के साथ एक इंटरव्यू में मलाइका ने अपनी मां के साथ अपने बॉन्ड के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मां को ष्एक नए और अनोखे नजरिए सेष् देखा. उन्होंने कहा, ष्मेरा बचपन बहुत अच्छा था, लेकिन यह आसान नहीं था. असल में पीछे मुड़कर देखें तो मैं इसे एक्सप्लेन करने के लिए जिस शब्द का इस्तेमाल करूंगी वह उथल–पुथल भरा है. लेकिन मुश्किल समय आपको जरूरी सबक भी सिखाता है.ष् हाल ही में एक साक्षात्कार में, मलाइका अरोड़ा ने चर्चा की कि कैसे उन्होंने कॉलेज में रहते हुए मॉडलिंग शुरू की. उन्होंने बताया कि मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले उन्होंने जय हिंद कॉलेज में दो साल पूरे किए.हालाँकि, दोनों को मैनेज करना चुनौतीपूर्ण था.अभिनेत्री ने कहा, ष्यह बहुत मुश्किल हो रहा था क्योंकि मेरी मम्मी को कॉलेज से कॉल आने लग गए थे क्योंकि मेरी कॉलेज अटेंडेंस कम थी कि मेरी अटेंडेंस ठीक नहीं है.ष्उन्होंने बताया कि उन्होंने कुछ विज्ञापन और शो करके शुरुआत की. बाद में, उन्होंने अपनी माँ को काम करने की अपनी इच्छा के बारे में बताया, और स्वतंत्र होने की इच्छा व्यक्त की. जब उनसे पूछा गया कि क्या वह प्रसिद्धि या स्वतंत्रता के पीछे भाग रही हैं, तो मलाइका ने खुलासा किया कि उनका मुख्य लक्ष्य स्वतंत्रता था. उन्होंने बताया कि वह कुछ ऐसा करना चाहती थीं जिससे उन्हें मूल्य का एहसास हो. हालाँकि पैसा उनकी प्राथमिक प्रेरणा नहीं थी, लेकिन उन्होंने इसे अपने काम का एक स्वाभाविक रीजन माना. खर्च चलाने की जरूरत नहीं थी मलाइका अरोड़ा ने यह भी कहा कि, हालांकि उन्हें अपने घर का खर्च चलाने की जरूरत नहीं थी, लेकिन उन्हें लगा कि अपनी माँ की मदद करना जरूरी है, जो एक सिंगल पेरेंट थीं. उन्होंने इसे सबसे बड़ी बेटी के तौर पर अपनी जिम्मेदारी के तौर पर देखा, भले ही उनकी माँ ने कभी इसकी उम्मीद नहीं की थी.जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि 11 साल की उम्र में मलाइका ने अपने माता–पिता को अलग होते हुए देखा, उनकी माँ जॉयस पॉलीकार्प और दिवंगत पिता अनिल अरोड़ा अलग हो गए,उनकी छोटी बहन अमृता अरोड़ा उस समय सिर्फ छह साल की थीं. तलाक के बाद, बहनें अपनी माँ के साथ ठाणे से चेंबूर चली गईं, जहाँ जॉयस ने उनका पालन–पोषण किया. एक साक्षात्कार में, उन्होंने अपनी माँ के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की, जिसमें उन्होंने बताया कि समय के साथ उनका नजरिया कैसे बदल गया.अभिनेत्री ने बताया कि हालाँकि उनका बचपन शानदार रहा, लेकिन इसमें चुनौतियाँ भी थीं.पीछे मुड़कर देखें तो उन्होंने इसे उथल–पुथल भरा बताया, लेकिन स्वीकार किया कि मुश्किल समय मूल्यवान सबक लेकर आता है.मलाइका ने बताया कि उनके माता–पिता के अलग होने से उन्हें अपनी मां को एक नए और अनोखे नजरिए से देखने का मौका मिला.

‘प्रेग्नेंसी की न्यूज हमारे लिए एकदम शॉकिंग थी’

राधिका आप्टे ने हाल ही में बेबी गर्ल को जन्म दिया है। अब एक इंटरव्यू में राधिका ने अपनी बदलती बॉडी, मुश्किल प्रेग्नेंसी और जिंदगी में हुए बदलाव के बारे में बात की। राधिका की मानें तो उनके लिए ये प्रेग्नेंसी एक्सीडेंट नहीं थी। लेकिन वह इससे शॉक्ड जरूर हुई थीं। हालांकि, अब वह इन बदलावों को स्वीकार कर चुकी हैं और बेहद खुश भी हैं। वोग मैगजीन को दिए अपने इंटरव्यू में राधिका आप्टे ने कहा, ‘जब मुझे मेरी प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला था, तो मैं काफी शॉक्ड हो गई थी। मैंने अगले ही दिन सबको बता दिया था। हालांकि, मैं किसी को बताना नहीं चाहती थी। लेकिन यह सब अचानक हुआ था, जो काफी मजेदार भी था कि कैसे हुआ, क्योंकि हमने इसके बारे में सोचा भी नहीं था।’

राधिका ने कहा, ‘मुझे लगता है कि जब लोगों को यह पता होता है कि वे बच्चा चाहते हैं या नहीं, तो सब कुछ आसान होता है। हमारी स्थिति में हम दोनों ने कभी बच्चों के बारे में नहीं सोचा था। लेकिन एक छोटा सा सवाल था कि अगर बच्चा हो तो कैसा होगा। फिर जब ऐसा हुआ, तो हम यह सोचने लगे कि क्या हमें इसे आगे बढ़ाना चाहिए या नहीं।’ राधिका ने कहा, ‘मैंने जन्म देने से एक हफ्ते पहले ही फोटो शूट कराया था। सच में उस समय मुझे अपने शरीर को अपनाना मुश्किल हो रहा था। मैंने कभी इतना वजन नहीं बढ़ाया था। मेरा शरीर सूजा हुआ था, पेल्विस में दर्द हो रहा था और नींद की कमी के कारण मेरी सोच भी बदल गई थी। अभी मुझे मां बने हुए दो हफ्ते भी नहीं हुए हैं, और मेरा शरीर फिर से बदल गया है।’ राधिका ने आगे कहा, ‘अब मैं अपने शरीर को अपना चुकी हूं। यह सब नए अनुभव हैं। नई चीजें सीख रही हूं। मेरा नजरिया भी बदल चुका है। अब मैं इन फोटोज को अच्छे नजरिए से देखती हूं और खुद पर इतने सख्त होने के लिए मुझे अफसोस होता है। अब मैं इन बदलावों में सिर्फ खूबसूरती देखती हूं और मुझे पता है कि मैं इन फोटोज को हमेशा याद रखूंगी।’ राधिका ने आगे कहा, ‘ज्यादातर महिलाएं जिन्हें मैं जानती हूं, उनकी प्रेग्नेंसी कठिन रही है। सच में यह मेनोपॉज या पीरियड्स की तरह है। वह हार्मोन कोई मजाक नहीं होते। लेकिन जबकि हम पीरियड्स और मेनोपॉज के बारे में खुलकर बात करते हैं।

गर्भावस्था को हमेशा एक चमकदार अनुभव बताया जाता है। हां, बच्चे को जन्म देना अद्भुत है, लेकिन कोई भी प्रेग्नेंसी के कठिन हिस्सों के बारे में नहीं बात करता और मुझे यह अजीब लगता है।’ शादी के 12 साल बाद मां बनीं बदलापुर फेम राधिकारूबेबी को ब्रेस्टफीडिंग कराते हुए फोटो की शेयरय फैंसे बोले- बधाई हो एक्ट्रेस राधिका आप्टे शादी के 12 साल बाद मां बन गई हैं। उन्होंने एक बेटी को जन्म दिया है। इसकी जानकारी एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर करके दी। राधिका ने 2012 में ब्रिटिश वायलिन प्लेयर और सिंगर बेनेडिक्ट टेलर से शादी की थी।

तमन्ना या श्रद्धा कौन ज्यादा अमीर?

श्रद्धा कपूर और तमन्ना भाटिया ने फिल्म इंडस्ट्री अपन टैलेंट के दम पर पहचान बनाई है. दोनों ही एक्ट्रेसेस सालों से काम कर रही हैं और फैंस को एंटरटेन कर रही हैं. दोनों को फिल्म स्त्री 2 में देखा गया था. इस फिल्म में श्रद्धा लीड रोल में थीं और तमन्ना ने आइटम सॉन्ग किया था. तमन्ना भाटिया का आइटम सॉन्ग बहुत ज्यादा वायरल हुआ था. तमन्ना और श्रद्धा दोनों ही लग्जरी लाइफस्टाइल मेंटेन करती हैं. आइए जानते हैं दोनों एक्ट्रेसेस में से कौन ज्यादा अमीर है. कितनी है श्रद्धा कपूर की नेटवर्थ? ळफ की रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धा कपूर की नेटवर्थ तकरीबन 123 करोड़ रुपये है. एक्ट्रेस एक फिल्म का लगभग 8 से 10 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं. वो जुहू में एक लग्जरी अपार्टमेंट में किराए पर रहती हैं. वो इस अपार्टमेंट का 6 लाख रुपये प्रति महीना किराया देती हैं. उनकी सालाना इनकम की बात करें तो ये 6 करोड़ के आसपास है. उनकी मंथली इनकम लगभग 1.5 करोड़ रुपये है. वो ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए भी कमाई करती हैं. वो एक एंडोर्समेंट का 1.6 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं. उनके कार कलेक्शन की बात करें तो उनके पास ऑडी फ7 (83.3 लाख), मर्सिडीज बेंज ळस्म, ठडॅ 7 (1.50 करोड) जैसी कार हैं. लाइफस्टाइल एशिया के मुताबिक, एक्ट्रेस को इंटरनेशनल ट्रिप्स पर जाना बहुत पसंद है. वो शूज और बैग्स पर भी काफी खर्चा करती हैं. एक्ट्रेस के पास 10 करोड़ के एक्सपेंसिव शूज का कलेक्शन भी है. तमन्ना भाटिया करती हैं एक फिल्म का इतना चार्ज वहीं तमन्ना भाटिया की नेटवर्थ की बात करें तो ळफ के मुताबिक, उनकी नेटवर्थ 120 करोड़ रुपये है. वो एक फिल्म का 4-5 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं. उनके कार कलेक्शन की बात करें तो उनके पास ठडॅ 320प, मर्सिडीज बेंज ळस्म् और डपजेनइपेीप च्रमतवश्चवतज है. जूम टीवी के मुताबिक, तमन्ना के पास जुहू-वर्सोवा लिंक रोड़ पर एक अपार्टमेंट है. ये अपार्टमेंट 14वें फ्लोर पर है और इसकी कीमत 16.60 करोड़ रुपये है.

गिल को खुद पर भरोसा करना होगा, उसने बल्लेबाजी में काफी बदलाव कर लिये हैं

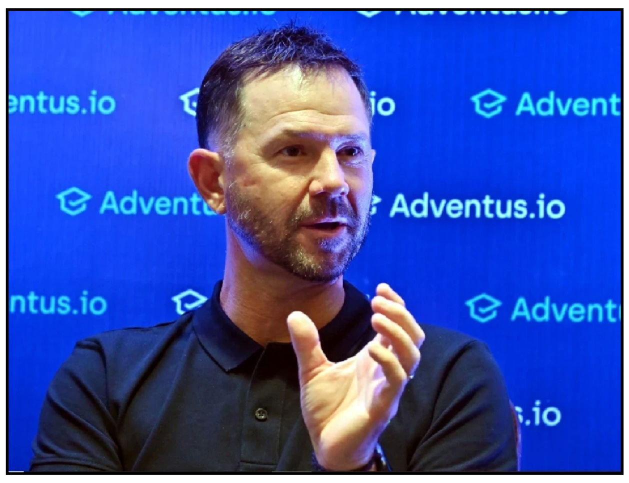

रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल ने अपनी बल्लेबाजी शैली में काफी बदलाव कर लिये हैं जिससे विदेश दौरों पर रन नहीं बन पा रहे लेकिन उन्हें आत्मविश्वास पैदा करना होगा। गिल अंगूठे की चोट के कारण बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे।

मेलबर्न । आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल ने अपनी बल्लेबाजी शैली में काफी बदलाव कर लिये हैं जिससे विदेश दौरों पर रन नहीं बन पा रहे लेकिन उन्हें आत्मविश्वास पैदा करना होगा। गिल अंगूठे की चोट के कारण बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे। एडीलेड में दूसरे टेस्ट में वह अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके। ब्रिसबेन में तीसरे टेस्ट में वह पहली पारी में जल्दी आउट हो गए लेकिन बाद में केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने अर्धशतक जमाकर मैच ड्रॉ कराया। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा ,'' मुझे उसे खेलते देखना पसंद है। जब आप उसे अच्छी बल्लेबाजी करते देखें तो उसका कोई सानी नहीं है। लेकिन विदेश में उसका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा है।'' पोंटिंग ने कहा कि एडीलेड में दूसरे टेस्ट में उन्होंने गिल की तकनीक में काफी बदलाव देखे जिससे उनसे रन नहीं बन पा रहे। उन्होंने कहा ,'' मैने एडीलेड में उसे बल्लेबाजी करते देखा और लगा कि उसने काफी बदलाव कर लिया है। स्कॉट बोलैंड गेंदबाजी कर रहा था और उसे आफ स्टम्प पर पड़ती गेंद पर फ्रंट पैड आगे कर दिया। बोलैंड ने सीधी गेंद पर उसे बोल्ड कर दिया।'' पोंटिंग ने कहा कि आमूलचूल बदलाव करने की बजाय गिल को अपने आप पर भरोसा करके बल्लेबाजी में सुधार करना चाहिये था। उन्होंने कहा ,'' उसे अपनी रक्षात्मक तकनीक पर थोड़ा और काम करना होगा ताकि आस्ट्रेलिया में रन बना सके। उसने अपने देश में या दुनिया में हर जगह आक्रामक खेलकर रन बनाये हैं जब वह आउट होने के बारे में नहीं बल्कि रन बनाने के बारे में ही सोचता आया है। उसे उसी मानसिकता के साथ यहां उतरना होगा।

पहले दिन बराबरी की रही टक्कर

पहले सत्र में ऑस्ट्रेलिया रहा हावी, तीसरा सेशन भारत ने किया अपने नाम

बॉक्सिंग डे टेस्ट

पहला दिन

सत्र	ओवर	रन बने	विकेट गंवाए	रन रेट
पहला	25	112	1	4.43
दूसरा	28	64	1	2.29
तीसरा	33	135	4	4.09

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को पहले सत्र में 25 ओवर में 4.48 के रन रेट से 112 रन बनाए थे और सिर्फ एक विकेट गंवाया था। 112 रन बॉक्सिंग डे टेस्ट के शुरुआती दिन के पहले सत्र में बनाए गए सर्वाधिक रन हैं। मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में छह विकेट गंवाकर 311 रन बना लिए हैं। स्टीव स्मिथ 68 रन और कप्तान पैट कमिंस आठ रन बनाकर नाबाद हैं। पहले दिन बराबरी की टक्कर रही। जहां पहला सत्र ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा। वहीं, दूसरे सत्र में ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच मजबूत प्रतिद्वंद्विता दिखी। तीसरे सत्र में भारत पूरी तरह से हावी रहा। पहले सत्र में ऑस्ट्रेलिया ने 112 रन बनाए ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को पहले सत्र में 25 ओवर में 4.48 के रन रेट से 112 रन बनाए थे और सिर्फ एक विकेट गंवाया था। 112 रन बॉक्सिंग डे टेस्ट के शुरुआती दिन के पहले सत्र में बनाए गए सर्वाधिक रन हैं। इससे पहले भी यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के ही नाम था। उन्होंने 2007 में भारत के खिलाफ ही बिना विकेट गंवाए 111 रन बनाए थे। दूसरे सत्र में दोनों के बीच अच्छी लड़ाई देखने को मिली। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया ने 28 ओवर में 2.29 के रन रेट से 64 रन और जोड़े। इस सत्र में भी ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट गंवाया। उस्मान ख्वाजा दूसरे सत्र में आउट हुए। तीसरे सत्र में जसप्रीत बुमराह ने भारत की वापसी कराई और ट्रेविस हेड और मिचेल मार्श को पवेलियन भेजा। तीसरे सत्र में ऑस्ट्रेलिया ने 33 ओवर में 4.09 के रन रेट से 135 रन बनाए, लेकिन चार विकेट भी गंवाए। हेड और मार्श के अलावा एलेक्स कैरी और मार्नस लाबुशेन आउट हुए। दोनों टीमों में एक-एक बदलाव, गिल बाहर इस मैच के लिए दोनों टीमों में एक-एक बदलाव हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड और भारत ने शुभमन गिल की जगह वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया। कंगारुओं की शुरुआत अच्छी रही और 19 साल के डेब्यूटांट सैम कोंस्टास ने उस्मान ख्वाजा के साथ पहले विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी निभाई। कोंस्टास ने अपने डेब्यू मैच में ही आक्रामक बल्लेबाजी की और बुमराह को निशाने पर लिया। उन्होंने अर्धशतक जमाया। हालांकि, इसके बाद रवींद्र जडेजा की गेंद पर एल्बीडब्ल्यू आउट हो गए। कोंस्टास 65 गेंद में छह चौके और दो छक्के की मदद से 60 रन बनाकर आउट हुए। लाबुशेन ने सबसे ज्यादा 72 रन बनाए इसके बाद ख्वाजा ने स्टीव स्मिथ के साथ दूसरे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी निभाई। ख्वाजा ने टेस्ट करियर का 27वां अर्धशतक लगाया। वह 121 गेंद में छह चौके की मदद से 57 रन बनाकर बुमराह की गेंद पर आउट हुए। वहीं, हेड खाता नहीं खोल सके। उन्हें बुमराह ने क्लीन बोल्ड किया। बुमराह ने फिर मिचेल मार्श को भी सस्ते में निपटा दिया। वह चार रन बना सके। लाबुशेन ने 145 गेंद में सात चौके की मदद से 72 रन की पारी खेली। यह उनके टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक रहा। वहीं, स्मिथ ने अब तक शानदार बल्लेबाजी की है। वह 111 गेंद पर 68 रन की नाबाद पारी में पांच चौके और एक छक्का लगा चुके हैं। भारत की ओर से बुमराह ने तीन विकेट लिए। वहीं, आकाश दीप, जडेजा और सुंदर को एक-एक विकेट मिला।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में रोमांचक मुकाबले की संभावना, क्या रोहित करेंगे ओपनिंग, जानें किसका पलड़ा भारी

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दूसरे भाग में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के साथ रोमांचक होने की उम्मीद है। पर्थ टेस्ट में भारत को 295 रन की बड़ी जीत मिली, लेकिन पैट कमिंस की ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड ओवल में गुलाबी गेंद वाले टेस्ट में 10 विकेट की जीत के साथ वापसी की। पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला अभी 1द्द1 से बराबर है। मेलबर्न टेस्ट सीरीज में भारत की किस्मत का फैसला कर सकता है। मौजूदा पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में बॉक्सिंग डे टेस्ट भारत के लिए श्बनाने या बिगाड़नेश् वाला हो सकता है। रोहित शर्मा पर दबाव है, जिन्होंने अपने पिछले पांच टेस्ट नहीं जीते हैं, लेकिन उनमें से चार हार गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद से, रोहित को परेशानियों का सामना करना पड़ा है क्योंकि उन्होंने बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। भारतीय कप्तान क्रिसमस की पूर्व संध्या पर अभ्यास के लिए उतरने वाले आखिरी खिलाड़ी थे और कयास लगाए जा रहे हैं कि वह अभी तक अच्छा प्रदर्शन करने वाले केएल राहुल की जगह पारी की शुरुआत कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो राहुल को फिर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ेगा। इस तरह की स्थिति में शुभमन गिल को या तो मध्य क्रम में उतरना होगा या फिर उन्हें ध्रुव जुरेल के लिए जगह खाली करनी होगी। रोहित मध्यक्रम में असफल रहे और अभी तक तीन पारियों में उनके नाम पर केवल 19 रन दर्ज हैं। अब अगर उन्हें सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारा जाता है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम का संयोजन कैसा होगा। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया की टीम लय में है, हालांकि वे ब्रिस्बेन के गाबा में तीसरे टेस्ट में जीत हासिल नहीं कर सके। भारत को एमसीजी में खेलने में मजा आता है, खासकर टेस्ट क्रिकेट में। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर 10 टेस्ट जीते हैं, जिनमें से चार मेलबर्न के प्रतिष्ठित स्थल पर जीते हैं। 1977 में बिशन सिंह बेदी की कप्तानी में भारत ने 222 रनों से जीत हासिल की थी, जिसके बाद 1981 में सुनील गावस्कर एंड कंपनी ने 59 रनों से जीत हासिल की थी। वास्तव में, भारत ने मेलबर्न में अपना दबदबा दिखाते हुए बैक-टू-बैक टेस्ट जीते थे। दोनों कप्तानों का मानना है कि श्रृंखला के अभी तक के परिणाम से दोनों टीम के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा का पता चलता है लेकिन मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर चीजें तेजी से बदल सकती हैं। भारत का ऑस्ट्रेलिया में यह पसंदीदा मैदान रहा है जहां उसने 2014 से कोई टेस्ट मैच नहीं गंवाया है। भारत ने यहां अपने पिछले जो टेस्ट मैच में जीत दर्ज की है। लेकिन इस बार तीन युवा धुरंधरों (यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत औरशुभमन गिल), आत्मविश्वास से भरे सलामी बल्लेबाज (केएल राहुल) और कुछ उम्रदराज दिग्गजों (विराट कोहली और रोहित) के साथ यह टीम बहुत आश्वस्त नहीं दिख रही है। ऑस्ट्रेलिया की टीम अतीत की तरह अब मजबूत दावेदार नजर नहीं आती है लेकिन इसके बावजूद अगर भारत को एमसीजी पर अपना विजय अभियान जारी रखना है तो उसकेबल्लेबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। कोहली को अपने अंदर का चौंपियन जगाना होगा तथा जब पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क ऑफ स्टंप से बाहर गेंदबाजी करके उनकी परीक्षा लेंगे तब इस स्टार बल्लेबाज को संयम बरतना होगा। जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति के बावजूद ऑस्ट्रेलिया का आक्रमण कमजोर नहीं नजर नहीं आता है क्योंकि स्थानीय खिलाड़ी स्कॉट बोलैंड अपनी सटीक लेंथ और उछाल भरी गेंदों से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। जायसवाल, गिल और पंत को अपनी अपेक्षाओं पर ही खरा उतरना होगा तथा बिना किसी दबाव के मैदान पर उतरना होगा जैसा कि कप्तान भी चाहते हैं।

संन्यास के बाद दबाव से मुक्त हुए अश्विन अगले कुछ वर्षों में काफी कुछ करने के लिए तैयार

आर अश्विन अगले कुछ वर्षों में क्रिकेट के मैदान पर और भी बहुत कुछ करने की तैयारी में है। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के बाद संन्यास की घोषणा करके क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। वह अगले दिन चेन्नई स्थित अपने घर वापस आ गए जहां लोगों ने उनका जबरदस्त स्वागत किया।

लंदन । भारतीय क्रिकेटर होने के दबाव से निपटने के बाद आर अश्विन अगले कुछ वर्षों में क्रिकेट के मैदान पर और भी बहुत कुछ करने की तैयारी में है। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के बाद संन्यास की घोषणा करके क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। वह अगले दिन चेन्नई स्थित अपने घर वापस आ गए जहां लोगों ने उनका जबरदस्त स्वागत किया। स्काई स्पोर्ट्स पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन और नासिर हुसैन के साथ बातचीत में अश्विन ने कहा कि श्रृंखला के बीच में संन्यास लेने का एक कारण यह था कि उन्हें अपने खेल से रचनात्मक संतुष्टि नहीं मिल रही थी। उन्होंने कहा, ''जब लोग मुझसे पूछते हैं 'आगे क्या है?' जो एक पंक्ति जो मैंने हमेशा कही है वह यह है कि जिस दिन मैं जागूंगा और महसूस करूंगा कि मेरे काम में रचनात्मकता की कमी है या कोई दिशा नहीं है, तब मैं संभवतः उसे छोड़ दूंगा।'' उन्होंने कहा, ''मुझे निश्चित रूप से लगता है कि रचनात्मक पक्ष के मामले में बहुत कुछ तलाशने को नहीं था। आज विश्व क्रिकेट में बहुत कुछ करने की संभावना उपलब्ध हैं। इसलिए मैंने सोचा कि ठीक है अगर यहां नहीं तो मैं कुछ और ढूंढ सकता हूं।'' टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज ने कहा कि वह क्लब स्तर के क्रिकेट के साथ इंडियन प्रीमियर लीग में खेलना जारी रखेंगे। अश्विन से जब पूछा गया कि टेस्ट क्रिकेट में वह सातवें सबसे सफल गेंदबाज है और यह बात उन्हें कितना सूकून देती है। उन्होंने कहा, ''मैं लंबे समय तक सूची में सातवें स्थान पर नहीं रहूंगा। नाथन लियोन मेरे काफी करीब है। आठवें नंबर पर खिसकने की भी खुशी होगी।

मोहम्मद शमी की फिटनेस पर बीसीसीआई ने दिया अपडेट, अभी नहीं जाएंगे ऑस्ट्रेलिया

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जाएंगे। दरअसल, बीसीसीआई ने सोमवार को इस तेज गेंदबाज की फिटनेस पर जानकारी दी और उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफअगले दो टेस्ट के लिए अनफिट घोषित किया। हाल ही में तीसरे टेस्ट मैच के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के अधिकारियों से शमी की फिटनेस पर स्थिति स्पष्ट करने कहा था और अब भारतीय बोर्ड ने उन्हें अनफिट करार दिया है। शमी को घुटने की चोट के कारण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया था। शमी पिछले साल वनेड वर्ल्ड कप के बाद से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं और उन्होंने रणजी ट्रॉफी के जरिए मैदान पर वापसी की थी। शमी घरेलू क्रिकेट में खेल रहे हैं और बीसीसीआई की मेडिकल टीम लगातार उन पर नजरें रखी हुई थी। बीसीसीआई ने इस बात की पुष्टि की है कि घुटने की चोट के कारण शमी लंबे समय से टीम से बाहर हैं और उन्हें शमी के जल्द पूरी तरह स्वस्थ होने की उम्मीद है। बोर्ड ने शमी की फिटनेस पर जानकारी देते हुए कहा कि, बोर्ड की मेडिकल टीम भारतीय तेज गेंदबाज शमी के साथ करीब से काम कर रही थी जिससे वह जल्द चोट से उबर सकें। शमी टखने की चोट से पूरी तरह उबर चुके थे। शमी ने रणजी ट्रॉफी में मध्यप्रदेश के खिलाफबंगाल के लिए 43 ओवर गेदंबाजी की। इसके अलावा उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सभी 9 मैच खेले, जहां वह अतिरिक्त गेंदबाजी सत्र में शामिल हुए जिसेस टेस्ट मैच के लिए फिट हो सकें।

पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में कराया गया भर्ती

टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली पिछले कुछ दिनों से स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। कांबली की तबियत एक बार फिर से बिगड़ गई है। जिसके बाद उन्हें ठाणे के आकृति अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर्स फिलहाल उनकी देखभाल कर रहे हैं। हाल ही में विनोध कांबली का एक सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। इस वीडियो में वह सचिन तेंदुलकर के साथ नजर आए थे, जिसमें वह काफी बीमार दिख रहे थे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें कांबली हॉस्पिटल में एडमिट नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके सभी जरूरी टेस्ट किए जाने रहे हैं और उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। कांबली ने हाल ही में एक यूट्यूब चौनल पर इंटरव्यू दिया था कि वो गंभीर यूरिन इंफेक्शन से जूझ रहे हैं, जिसकी वजह से पिछले महीने बेहोश हो गए थे और वीडियो वायरल हो गया था। बता दें कि, कांबली को कई तरह की बीमारियां हैं उन्हें हार्ट अटैक भी आ चुका है। वहीं विनोद कांबली के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत 1991 में वनडे से हुई थी। इसके बाद उन्होंने टीम इंडिया के लिए टेस्ट डेब्यू 1993 में किया था। उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर के दौरान टीम इंडिया के लिए कुल 17 टेस्ट और 104 वनडे मैच खेले हैं। टेस्ट में उन्होंने कुल 1084 रन बनाए हैं और वनडे में उनके नाम 2477 रन दर्ज हैं।

बुमराह से बचने का इस पूर्व दिग्गज के पास है उपाय, ऑस्ट्रेलियाई टीम की तरफबढ़ाया मदद का हाथ

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 26 दिसंबर से बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच खेला जाएगा। अभी तक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत दोनों टीमों के बीच तीन मैच खेले जा चुके हैं जिसमें अभी तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर है। वहीं इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए सबसे बड़ा जोखिम जसप्रीत बुमराह रहे हैं। बुमराह ने अभी तक तीनों टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा विकेट झटके हैं। बुमराह के खिलाफजहां ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेबस नजर आए हैं वहीं पूर्व क्रिकेटर सामन कैटिच ने अपनी टीम के बल्लेबाजों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। कैटिज ने मेजबान टीम को सलाह दी है कि वे बुमराह के खिलाफ सफल होने के लिए स्ट्राइक रोटेट करने और मजबूत डिफेंस पर ध्यान लगाएं। कैटिच ने कहा कि बुमराह शायद ही कभी ढीली गेंद फेंकते हैं इसलिए ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को अपने पॉइंट ऑफ व्यू और स्ट्रैटजी पर काम करना चाहिए। कैटिच ने एसईएन 1116 से कहा कि, मुझे पता है कि सभी बातें ज्यादा पॉजिटिव इरादे के बारे में हैं और मुझे लगता है कि ये सब ठीक है और ये निश्चित रूप से कुछ ऐसा है जिसका उन्हें ध्यान रखना चाहिए। लेकिन बुमराह जैसे खिलाधे के खिलाफइरादा सिर्फउन्हें चौके मारने के बारे में नहीं है क्योंकि वह बहुत खराब गेंद नहीं फेंकता। उन्होंने कहा कि, इसलिए उस इरादे का एक बड़ा हिस्सा स्ट्राइक रोटेट करने और बहुत अच्छे डिफेंस में सक्षम होना चाहिए क्योंकि अगर आप दसवें ओवर के बाद वहां नहीं हैं तो आप किसी भी इरादे से नहीं खेल पाएंगे। ये इन सभी खिलाड़ियों के लिए चुनौती है।

भारतीय टीम में 20 विकेट लेने की क्षमता बहुत अच्छी नहीं है

मेलबर्न । चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रही भारतीय टीम का गेंदबाजी आक्रमण उतना मजबूत नहीं है जो वह एक टेस्ट मैच में 20 विकेट ले सके तथा यह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम दो मैच में टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैच की श्रृंखला अभी 1द्द1 से बराबर है। अगले दो टेस्ट मैच मेलबर्न और सिडनी में खेले जाएंगे।

ऋतुराज गायकवाड़ ने मचाया तूफान, चौंपियंस ट्रॉफी से पहले ठोका शतक

भारतीय घरेलू क्रिकेट की सबसे बड़े वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी खेली जा रही है। इस मैच में पूरे देश के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को आजमा रहे हैं। इसी बीच टीम इंडिया से काफी समय से बाहर चल रहे।

कौन कहां बल्लेबाजी करेगा...

बैटिंग पोजिशन को लेकर असमंजस की स्थिति पर बोले कप्तान रोहित

मेलबर्न। रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर अभ्यास के दौरान

रोहित के बाएं घुटने में चोट लग गई थी और इसको लेकर कई तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार से मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट की शुरुआत हो रही है। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की सीरीज फिलहाल तीन टेस्ट के बाद 1-1 से बराबर है। मेलबर्न टेस्ट से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत की। उन्होंने चौथे टेस्ट मैच से पहले अभ्यास के दौरान उनके घुटने में लगी चोट को लेकर व्यक्त की जा रही आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि वह पूरी तरह से फिट हैं। हालांकि, उन्होंने बल्लेबाजी क्रम में अपने स्थान को लेकर संदेह बरकरार रखा। राहुल ने बतौर ओपनर दावा मजबूत किया रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर अभ्यास के दौरान रोहित के बाएं घुटने में चोट लग गई थी और इसको लेकर कई तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। रोहित ने अपडेट देते हुए कहा, श्मेरा घुटना ठीक है।श् रोहित अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।